फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 242 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 फरवरी 2025 बुधवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन के आखिरी दिन उमड़ा जनसैलाब, काशी में निकल रही बाबा की बारात

प्रयागराज, एजेंसी

दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल हो चुके महाकुंभ का आज आखिरी दिन है। यहां श्रध्दालुओं की भीड़ स्नान के लिये उमड़ रही है। प्रयागराज शहर की सीमाएं बीती शाम से वाहनों के लिये बंद हैं और पूरा शहर नो व्हीकल जोन बनाया गया है। मेले के अंदर भी वाहन नहीं चल रहे हैं। रात से ही संगम जाने वाले रास्तों पर भारी भीड़ है। संगम घाट पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं से घाट खाली कराए जा रहे हैं, ताकि वहां भीड़ न उमड़े। आज दिनभर में यहां डेढ़ करोड से ज्यादा लोगों के डुबकी लगाने की संभावना है। पिछले 44 दिन में 65 करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। ये आंकड़ा अमेरिका की आबादी (करीब 34 करोड़) से दोगुना है। संगम में डुबकी लगाने वालों की यह संख्या 193 देशों की जनसंख्या से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी महाकुंभ आए श्रद्धालुओं से ज्यादा है। योगी सरकार ने दावा किया कि दुनिया में हिंदुओं की आधी आबादी के बराबर लोग यहां आए हैं। आज महाशिवरात्रि पर्व स्नान के साथ ही 45 दिनों तक चले महाकुंभ का समापन हो जाएगा। सांसद घायल-वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा की राज्यसभा सांसद महुआ माझी लातेहार में महाकुंभ से लौटते समय सड़क हादसे में घायल हो गईं। उनके बेटे-बहू और ड्राइवर को भी चोटें आईं।

काशी में बाबा का दूल्हे की तरह श्रृंगार

उधर विश्वनानथ की नगरी काशी(बनारस) में आज महाशिवरात्रि का उल्लास है। यहां हाथ में गदा-त्रिशूल, हाथी-घोड़े की सवारी और शरीर पर भस्म और फूलों की माला लगाए 7 शैव अखाड़ों के करीब 10 हजार से ज्यादा नागा साधु बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। नागा साधुओ के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर के रास्ते की बैरिकेडिंग की गई है। लाखों की संख्या में भक्त नागा संतों का आशीर्वाद लेने के लिए रात से ही स?क किनारे खड़े हो गये थे। सबसे पहले जूना अखाड़े के नागा संन्यासी मंदिर पहुंचे। अचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि भी उनके साथ रहे। करीब 2 लाख भक्त आधक्ष रात से कतार में लगे थे। भगवान का दूल्हे की तरह श्रृंगार किया गया।

राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने की अगवानी, इस बार का आयोजन बना बहुत खास

जनकपुर बना बागेश्वर धाम, राष्ट्रपति 251 जोड़ों को आर्शीवाद देने पहुंची

छतरपुर/भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों के सामूहिक विवाह महोत्सव में शिरकत करने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज यहां पहुंची हैं। उन्होंने नवदंपती को आशीर्वाद दिया। इससे पहले खजुराहो एयरपोर्ट पर राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री मोहन यादव उनकी अगवानी की। राष्ट्रपति ने बालाजी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद विवाह समारोह में शामिल हुईं। बागेश्वर धाम में वे करीब चार घंटे रुकेंगी। इस समारोह में गायक सोनू निगम, क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, रॉबिन उथप्पा, आरपी सिंह और अभिनेता पुनीत वशिष्ठ भी मौजूद रहे। पहलवान द ग्रेट खली पहले ही बागेश्वर धाम पहुंच गए थे। समूचा बागेश्वर धाम आज जनकपुर जैसा लग रहा है। चारों तरफ बेटियों के विवाह की खुशियां फैली हैं। बताया जाता है कि यह मप्र समेत नौ राज्यों की युवतियां हैं जिनका विवाह कराया गया है। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने सभी जमाइयों को घोड़े पर बैठाकर उनकी बरात निकलवा रहे हैं। विवाह समारोह के लिये करीब तीन लाख वर्गफीट में टेंट लगाया गया है और पंद्रह एकड में मंडप व भंडारे की व्यवस्था की गई है।

आयोजन बना खास, एक कुरीति भी टूटी

बागेश्वर धाम में सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव के कई मायने हैं। इसमें 251 गरीब कन्याओं का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया जा रहा है। इनमें से 108 बेटी आदिवासी समाज और 143 अन्य समाज से हैं। यह विवाह कार्यक्रम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शामिल होने से बहुत खास हो गया है। दो दिन पहले यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आ चुके हैं, उन्होंने कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखी थी। विवाह के बाद बेटियों को गृहस्थी का सामान भी देकर विदा किये जाने की यहां परंपरा है। खास बात यह है कि इन 251 कन्याओं के दूल्हे घोड़ी चढ़कर एक साथ आएंगे। दरअसल अक्सर खबरें आती रहती हैं कि बुंदेलखंड क्षेत्र में दलितों को घोड़ी नहीं चढ़ने दिया जाता, इसी कुरीति को तोड़ने के लिए बाबा बागेश्वर द्वारा इन दूल्हों को घोड़ी चढ़ाकर बारात निकाली जा रही। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री कह चुके हैं कि बुंदेलखंड में जात पात काफी हावी रहा है और शादियों का यह उत्सव उसके खिलाफ ही आयोजित किया गया

खली ने दिखाए दांवपेंच

मशहुर भारतीय रेसलर ग्रेट खली ने बीती रात अपने शागिर्दों से जो खलबली मचाई वह देखने लायक थी। बागेश्वर धाम के लिए यह एक अनोखा कुश्ती प्रदर्शन रहा। महिला पहलवानों में रुचिका,दया कौर, तानिया सहित सभी 6 महिलाए जालंधर पंजाब एकेडमी की स्टूडेंट थी वहीं पुरुष वर्ग में जेटी बाबा, माजा,सहित 14 पहलवानों ने अपने दांवपेच दिखाए।

पुरानी धारणा तोड़ने नए सिरे से बना एमओयू फॉलोअप प्लान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के बाद अब 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की असल चुनौती है। दरअसल, पिछले कई सालों में निवेश प्रस्तावों व एमओयू के बाद अधिकांश प्रस्ताव जमीन पर नहीं उतर पाए हैं। इसी धारणा को तोड़ने के लिये सीएम के निर्देश पर सीएस ने इन्हीं तमाम बातों को देखते हुए बड़ी तैयारी की है। एक विस्तृत प्लान तैयार कर अगले दो दिन के भीतर इस पर काम शुरू हो जाएगा। निवेश प्रस्तावों के लिए पहली बैठक मार्च में होगी, जिसमें सभी निवेशकों को आने वाली कठिनाइयों पर सीएस बात करेंगे। जानकार सूत्रों के मुताबिक निवेशक, अनुमतियां पाने से लेकर अपने हर छोटे-बड़े कामों और परेशानियों को हल कराने के लिए अधिकारियों के पीछे नहीं घूमेंगे बल्कि अधिकारियों की टीम निवेशकों के संपर्क में रहेगी। निवेशकों की ज्यादा से ज्यादा कठिनाइयों को जिला स्तर पर कलेक्टर ही दूर करेंगे। यह बैठक महीने में एक बार होगी, सभी प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे। सरकार ने तय किया है कि इन्वेस्ट पोर्टल में बदलाव हों। निवेशक को इसके जरिए और अधिक विस्तृत प्लेटफार्म दिया जाएगा। जमीन आवंटन को पारदर्शी बनाया जाएगा। कोई निवेशक विदेश से मप्र में निवेश वाले स्थान की लोकेशन को देखना चाहता है तो वह देख सकेगा।

मप्र: निवेश प्रस्तावों की अब समीक्षा व फालोअप का दौर शुरू होगा

बिहार में भाजपा अध्यक्ष ने मंत्री पद से दिया इस्तीफा

पटना। बिहार में भाजपा अध्यक्ष व नीीिश कैबिनेट में मंत्री दिलीप जायसवाल ने इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति, एक पद के फॉर्मूले के तहत जायसवाल ने इस्तीफा दिया है। उनकी जगह भाजपा से एक कद्दावर चेहरे के साथ आज शाम या गुरुवार सुबह नीतीश कुमार सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार कर लिया जाएगा। कैबिनेट विस्तार में बीजेपी के कोटे से सात मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ ले सकते हैं. नए मंत्रियों की लिस्ट में सूबे के पूर्व डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद के साथ ही राजू यादव के भी नाम भी शामिल बताए जा रहे हैं।

यूक्रेन से तनातनी के बीच रूस का अमेरिका को नया ऑफर

मास्को। यूक्रेन से तनातनी के बीच रूस ने अमेरिका को एक बड़ा ऑफर दिया है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की तरफ से कहा गया कि रूस के पास बहुत सारे रेयर अर्थ मेटल्स यानी दुर्लभ मृदा खनिजों का भंडार है और अगर अमेरिका चाहे तो रूस रेयर अर्थ मेटल्स के लिए उसके साथ समझौता करने को तैयार है। क्रेमलिन प्रवक्ता ने कहा कि रूस के पास अपने धातु भंडार को लेकर अलग प्लान हैं लेकिन अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई जाएगी तो रूस अमेरिका के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।

सूडानी सैन्य विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त, 10 मौतें

खार्तूम, एजेंसी

सूडान की राजधानी खार्तूम के उत्तर में ओमडुरमैन में एक सूडानी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें उसके चालक दल और कई सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। सूडानी सेना ने एक बयान में कहा कि एंटोनोव विमान, जो खार्तूम से लगभग 22 किमी उत्तर में वाडी सेडना एयरबेस से उड़ान भर गया था, प्रस्थान के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक सैन्य सूत्र ने बताया कि दुर्घटना का कारण तकनीकी खराबी है। चार लोगों के चालक दल वाला विमान कथित तौर पर एक सैन्य मिशन पर था, जिसमें कई उच्च-रैंकिंग अधिकारी सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि विमान कम ऊंचाई पर उड़ रहा था, लेकिन अचानक घनी आबादी वाले इलाके में वह नीचे गिर गया और आग की लपटों से घिर गया। सूडान न्यूज़ के अनुसार, हवाई दुर्घटना में एक ब्रिगेडियर जनरल, कई अधिकारियों और सैनिकों और कम से कम पांच नागरिकों की जान चली गई। विमान का मलबा आवासीय घरों में बिखर गया, कुछ घरों को काफी नुकसान पहुंचा है। एक स्थानीय स्वयंसेवी समूह करारी प्रतिरोध समिति ने बताया कि दुर्घटना के बाद कई जले हुए पीड़ितों और दस शवों को अस्पताल लाया गया था।

मेट्रो एंकर जेल अधीक्षक का सनसनीखेज खुलासा, केजरीवाल ने नहीं लिया एक्शन

तिहाड़ में सुब्रत से मिलने आती थीं एयरहोस्टेस!

नईदिल्ली, एजेंसी

सहारा के प्रमुख रहे सुब्रतो रॉय के बारे में तिहाड जेल के अधीक्षक रहे सुनील गुप्ता ने कई सनसनीखेज खुलासे किये हैं। उन्होंने कहा है कि मैंने इतने हाई प्रोफाइल देखे हैं मगर सुब्रतो रॉय को जेल के अंदर सारी फैसिलिटी मिली हुई थी। रॉय के सेल दिन में दो तीन बार एयर होस्टेट आती थीं और उनके साथ घंटों रहती थीं। गुप्ता के अनुसार उनके सेल से शराब की बोतलें भी पकड़ी गई थीं। इसकी शिकायत तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल से भी की लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये खुलासा तिहाड़ जेल के सुपरिंटेंडेंट रहे सुनील गुप्ता ने यूट्यूबर शुभांकर मिश्रा के साथ उनके शो पर किया है। उन्होंने कहा कि सुब्रत रॉय को जेल में नहीं रखा हुआ था, उनको कोर्ट कॉमपलेक्स में रखा गया था। उन्हें काफी सारा पैसा अपने निवेशकों को वापस करना था तो रॉय ने कोर्ट को कहा था कि मुझे अपनी संपत्तियां बेचनी पड़ेगी और मेरे ज्यादातर खरीदार यूरोप अथवा पश्चिमी देशों में हैं। मुझे ऐसी जगह पर रखा जाए जहां मैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अपने खरीदारों से बात कर सकूं। गुप्ता ने कहा कि बाकी कैदियों को रात होते ही अपने सेल में बंद कर दिया जाता है। जबकि रॉय ने कहा था कि रात को उन्हें कोर्ट कॉम्पलेक्स में बाहर से ताला लगाकर रखा जाए। कोर्ट ने उनकी दरख्वास्त मान ली। गुप्ता ने कहा कि उन्हें खाने की पूरी सुविधा तो मिलती ही थी,सेल से हमनें शराब की बोतलें भी बरामद भी थी। कोर्ट ने सुब्रत रॉय को प्राइवेट सेक्रेटरी रखने की भी अनुमति दी थी उन्होंने एक फीमेल सेक्रेटरी रखी हुई थी। इन जानकारियों को मिलने के बाद काफी विचलित हुए और दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पास गए. और कहा कि जेल प्रशासन की मिलीभगत से सुब्रत रॉय को ये सुविधाएं मिल रही हैं। जब केजरीवाल ने जेल मंत्री को बुलाया, केजरीवाल का कहना था- देखो सुनील... हमें पता है कि जो तिहाड़ का डायरेक्टर जनरल है काफी करप्ट है, पर इसमें फंस जाएगा सुपरिंटेंडेंट जेल, अगर हम जाकर छापा मारते भी हैं रात को तो सुपरिंटेंडेंट जेल फंस जाएगा. वो जो कुछ कर रहा है डायरेक्टर जनरल के कहने से कर रहा है। इस पर गुप्ता ने कहा कि अगर सुपरिंटेंडेंट जेल फंसेगा तो वह खुद बताएगा कि वो किसके कहने पर ऐसा कर रहा है। मगर कोई एक्शन नहीं लिया गया। इसका हर्जाना मुझे ही भरना पड़ा और मैं जिस हफ्ते रिटायर हो रहा था उसी हफ्ते मुझ पर चार्जशीट दायर किया गया।

भोपाल। महाशिवरात्रि पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज बढ़वाले महादेव मंदिर पहुंचे तथा भगवान भोलेनाथ का अभिषेक-पूजन किया। वे शोभायात्रा में भी शामिल हुए। इसमें डमरू दल ने प्रस्तुति दी। राजधानी के करीब भोजपुर मंदिर में भी सुबह से भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। यहां 7.5 फुट ऊंचे शिवलिंग को फूलों से सजाया गया है। राजधानी के मंदिरों में आज सुबह से श्रध्दालुओं का तांता है। विशेष पूजा अर्चना का दौर जारी है।

सीएम ने सपत्निक उज्जैन में महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की।

महाशिवरात्रि: मंदिरों में गूंजा हर-हर महादेव

भोपाल. भौम प्रदोष व्रत मंगलवार को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस दिन भोलेनाथ और बजरंगबली की कृपा पाने के लिए भक्तों ने मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की। शहर के प्रमुख शिवालयों, गौरीशंकर मंदिर, मनुआ भान की टेकरी, कोलार शिव मंदिर, पीर गेट, अवधपुरी दीप होस मंशापूर्ण हनुमान मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रदोष काल में शिवलिंग का जलाभिषेक, बेलपत्र अर्पण और महाआरती की गई। भौम प्रदोष व्रत रखने से कर्ज और आर्थिक संकट से राहत मिलती है। शारीरिक व मानसिक कष्ट दूर होते हैं। चंद्र दोष निवारण के लिए यह व्रत अत्यंत लाभकारी माना जाता है। शिवरात्रि के कारण इस व्रत का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस दौरान शिव अभिषेक किया गया।

फोरलेन सीसी रोड पर खुलेआम हो रहा कब्जा

कब्जाधारी कलियासोत नदी के किनारे हरी नेट लगाकर घेर रहे सरकारी जगह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा से कोलार जाने वाली फोरलेन सीसी रोड में रोहित नगर-बावड़ियां कलां की तरफ जेके ब्रिज के नजदीक बीते कुछ दिनों से अवैध कब्जे किए जा रहे हैं। कब्जाधारियों द्वारा कलियासोत नदी के किनारे हरी नेट लगाकर सरकारी जगह को घेरा जा रहा है। इतना ही नहीं सांची पार्लर सहित अन्य दुकानों के आसपास देर रात वाहन खड़े होने से यह एक्सीडेंट प्वाइंट भी बन रहा है। यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन और पुलिस को तत्काल इस मामले में गंभीरता से कार्यवाही करनी चाहिए, ताकि कोई बड़ा हादसा ना हो।

अंधेरे के कारण बढ़ी परेशानी

बताया जा रहा है कि इस सड़क पर अब तक स्ट्रीट लाइटें चालू नहीं होने से यहां पर हमेशा अंधेरा छाया हुआ है। अंधेरा होने के कारण यहां से गुजरने वाले 50 हजार से अधिक वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऊपर से इस रोड पर रात के वक्त सड़क पर ही वाहन पार्क होने से यह परेशानी और ज्यादा बढ़ गई है। यह मार्ग सीधे बावड़ियां कलां, रोहित नगर, शाहपुरा, बाबा नगर, चूनाभट्टी और कोलार रोड जोड़ता है। जेके ब्रिज में रोहित नगर की तरफ कलियासोत नदी किनारे लगातार नए कब्जे हो रहे हैं। दुकानों के कारण सड़क पर ही वाहन खड़े होने से बड़ा हादसा हो सकता है।

इधर, सुरक्षा व मेंटेनेंस के अभाव में पार्क बना असामाजिक तत्वों का ठिकाना

सुरक्षा और मेंटेनेंस के अभाव में छोटे तालाब किनारे बना नीलम पार्क, धरना प्रदर्शन तक सीमित रह गया है। दिन में यहां आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। जिसके चलते फैमिली के लोग बहुत कम आते हैं। धरना प्रदर्शन, आंदोलन के दौरान जरुर यहां भीड़ रहती है। छोटे तालाब किनारे प्राकृतिक खूबसूरती के साथ पार्क में फव्वारे, बैठने के शेड, प्लेटफार्म, बैंचे आदि हैं, लेकिन मेंटेनेंस के अभाव में बर्बाद होते जा रहे हैं। जबकि फव्वारों के लिए पानी की कमी नहीं है। पार्क में चारों ओर कचरा देखा जा सकता है। यहां सफाई निरंतर नहीं होती है। बताया जाता है कि इसके एक हिस्से में माली पानी तो देते है, लेकिन स्पोर्ट्स कॉप्लेक्स से लगे आधे हिस्से को लावारिश छोड़ दिया गया है। सुरक्षा के नाम पर एक टेप्रेरी कर्मचारी ही कभी कभार नजर आता है। इस मार्ग में दिहाड़ी मजदूर, भीख मांगने वालों से लेकर नशा करने वाले तक आकर बैठते हैं। दोपहर में यहां जुआ खेलते लोग भी देखे जा सकते हैं। जहांगीराबाद चौराहे से लगा होने के बाद भी इस पार्क में फैमिली के साथ लोग आने से बचते हैं।

जुआरियों की रहती भीड़: दिन के समय इस पार्क में जगह-जगह लोग जुआ खेलते हुए देखे जा सकते है। इतना ही नहीं नशा करने वाले भी यहां देखे जा सकते हैं। पार्क में सभा करने के लिए बड़ा शेड मध्य क्षेत्र के विधायक ने बनवाया था। जिसमें अधिकांश फुटपाथ पर रहने वाले दिन में सोते देखे जा सकते है।

रेलवे स्टेशन पर खाना-पानी के लिए मशक्कत

फूड प्लाजा तैयार होने में अभी भी दो महीने लगेंगे, पानी की कमी रोकने के प्रयास होंगे

भोपाल। राजधानी में रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को अच्छी गुणवत्ता का खाना जल्द मिलता अभी भी संभव नहीं नजर आ रहा है। प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर बने फूड प्लाजा शुरू होने में कम से कम दो महीने का समय अभी और लग सकता है। पुराने फूड प्लाजा की खराब हो चुकी बिल्डिंग को हरे रंग के पारदर्शी कपड़े से ढंक दिया गया है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर ही बनाए जा रहे एग्जीक्यूटिव लाउंज को डबल डेकर बनाने के कारण उसके शुरू होने में देरी हो रही है। उधर, प्लेटफॉर्म नंबर-6 की तरफ बनाए जा रहे पॉड होटल के भी जल्द शुरू होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इसका अंदाजा ग्राउंड लेवल स्तर पर चल रहे काम को लेकर लग रहा है।इस मामले में आईआरसीटीसी के अफसरों का कहना है कि कांट्रेक्टर द्वारा लगातार निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। प्रयास है कि जल्द से जल्द फूड प्लाजा के अलावा एग्जीक्यूटिव लाउंज आदि शुरू कर दिया जाए। उल्लेखनीय है कि प्लेटफॉर्म नंबर-6 के बाहर की ओर करीब डेढ़ साल पहले रेल कोच रेस्टोरेंट शुरू किया गया था। मुंबई की एक प्राइवेट फर्म संचालन कर रही थी। लेकिन पिछले कुछ महीनों से वह भी बंद पड़ा हुआ है। आने वाली गर्मियों में ट्रेनों में पानी खत्म होने की समस्या दूर करने के लिए कोचों में सेंसर सिस्टम इंस्टॉल करने की योजना तैयार की गई है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह सिस्टम पुणे हमसफर और संतरागाछी एक्सप्रेस में लगाया जाने वाला है। 15 अप्रैल से इसकी शुरुआत होगी। सफल होने पर अन्य ट्रेनों में भी इसे लागू किया जाएगा। बताया जाता है कि सिस्टम को रिसर्च डिजाइन एंड स्टेंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन से मंजूरी मिल चुकी है। अब सिस्टम को चुनिंदा लंबी दूरी की ट्रेनों में परखा जा रहा है। यह सेंसर कोच में पानी का स्तर 30प्रतिशत से कम होने पर अलर्ट भेजेगा। सूचना वॉटरिंग स्टेशन तक पहुंचाई जाएगी, जिससे ट्रेन के आगमन पर तुरंत पानी भरा जा सके। यह सिस्टम एसएमएस सुविधा से लैस होगा और रूट के उन स्टेशनों की जानकारी भी इसमें रहेगी, जहां पानी भरने की व्यवस्था है। दरअसल, पिछले साल गर्मी के मौसम में 40 से ज्यादा ट्रेनों में पानी की कमी हुई थी। इसके बाद उनमें भोपाल स्टेशन पर पानी की व्यवस्था की जाती है। ऐसी ही समस्याओं को दूर करने के लिए रेलवे द्वारा उन ट्रेनों को चिह्नित किया जा रहा है, जिनमें हर साल इस तरह की समस्या में आ रही है।

छात्राओं ने की मनाली भ्रमण की यादें साझा, कहा- मनोरंजक, साहसिक रहा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की 35 छात्राओं ने मनाली भ्रमण किया। उनके लिए यह टूर मनोरंजक और साहसिक रहा। टूर में डॉ. मीना बारसे, प्रो. मंजू देवनानी, रोहित रैकवाल और जितेंद्र गेहलोत भी शामिल रहे। यह भ्रमण छात्राओं के लिए मनाली के अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने, रोमांचक बाहरी गतिविधियों में भाग लेने और वहां की जीवंत स्थानीय संस्कृति का अनुभव करने का अवसर था। बर्फ से ढके पहाड़ों और शांत घाटियों से लेकर व्यस्त बाजारों और रोमांचकारी खेलों जैसे जूपि लाइनिंग,रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग और दर्शनीय स्थलों के भ्रमण तक, इस यात्रा में हर पल रोमांच से भरा रहा। यात्रा का समापन एक बोन फायर के साथ हुआ। छात्राओं ने प्राचार्या डॉ. डालिमा परवानी के साा अपने अनुभव साझा किए। छात्राओं ने कहा कक्षा शिक्षण से परे जाने और अनुभवात्मक शिक्षा अपनाने का यह अवसर था। यह यात्रा सौहार्द, व्यक्तिगत विकास और शैक्षणिक दिनचर्या से विराम को प्रोत्साहित करने वाली रही।

केबल होंगे अंडरग्राउंड, बिजली चोरी रुकेगी, लाइन लॉस नहीं होगा

भोपाल. शहर में अब पूरी बिजली लाइन अंडरग्राउंड होगी। इसके लिए 1500 किमी लंबाई की नई लाइनों को अंडरग्राउंड करने की प्रोजेक्ट बनायी जा रही है। ऊर्जा विभाग इसके लिए राशि की मंजूरी मांगी है। अभी 750 किमी लंबाई की लाइनों को अंडरग्राउंड किया जा रहा है। 1500 किमी और लंबी लाइन मिलाकर शहर में कुल 2300 किमी लाइन अंडरग्राउंड हो जाएंगी। शहर में अभी एलटी लाइन तीन हजार किमी के करीब है। इससे आंधी-बारिश में पेड़ गिरने से बिजली गुल, फॉल्ट की दिक्कत नहीं होगी। बिजली के खंभों से होने वाली दुर्घटनाएं भी टलेंगी। अभी केंद्र की आरडीएसएस योजना के तहत 750 किमी लंबाई की बिजली लाइन का प्रोजेक्ट चल रहा है। इसका काम अंतिम चरण में है। करीब एक लाख घरों यानि करीब पांच लाख की अबादी को इससे सीधा लाभ होगा। पुराने शहर के काजी कैंप से लेकर करोंद, आरिफ नगर, जहांगीराबाद समेत करीब 230 से अधिक कॉलोनियों में काम चल रहा है।

150 करोड़ खर्च, 300 करोड़ रुपए का नया प्रोजेक्ट: मौजूदा प्रोजेक्ट में 150 करोड़ रुपए की लागत तय थी। प्रति किमी करीब 20 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। 1500 किमी के नए प्रोजेक्ट में करीब 300 करोड़ रुपए का प्राथमिक लागत अनुमान है। बिजली कंपनी अपने लाइन लॉस को 10 से 15 प्रतिशत तक लाने के लिए इस अंडरग्राउंड वायरिंग की तकनीक का उपयोग करने जा रही है।

20 फीसदी से ज्यादा लॉस वाले क्षेत्र होंगे शामिल : अभी आईपीडीएस के तहत चल रहे 750 किमी लंबाई के अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट में शहर के 50 फीसदी से अधिक लाइन लॉस वाले क्षेत्र शामिल हैं। नए प्रोजेक्ट में 20 फीसदी से अधिक लॉस वाले क्षेत्र रहेंगे।

500 बच्चों की आंखों की जांच, 110 को दृष्टि दोष, एक को मोतियाबिंद

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दांतों का चैकअप किया, 40 बच्चों को रूट कैनाल की सलाह

एलवीएस एजुकेशन सोसाइटी गांधीनगर के विद्यालयों लक्ष्मीदेवी विक्योमाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल एवं वीना चार्ली दासवानी गर्ल्स स्कूल के विद्यार्थियों की आंखों एवं दांतों की जांच की गई। सेवासदन नेत्र चिकित्सालय ने शिविर का आयोजन किया, जिसमें जांच के साथ बच्चों को आंखों और दांतों देखरेख के लिए जागरूक किया गया। आप्टोमेट्रिस्ट अजय सिंह ने 500 बच्चों के नेत्रों की जांच की, जिसमें से 110 बच्चों की नजर कमजोर होने पर चश्मा लगाने की सलाह दी गई। पांच बच्चों की तिरछी आंख थीं, एक बच्चों मोतियाबिंद पीि?त मिला। डॉ. कोमल दासवानी और डॉ रोशनी ज्ञानचंदानी 1019 बच्चों की दांतों की जांच की, जिनमें से 40 बच्चों को रूट कैनाल कराने की सलाह दी गई। 102 बच्चों के दांत टे? पाए गए। शिविर में 71 बच्चों के दांतों की सफाई की गई। 243 बच्चों के दांतों पर धब्बे मिलने पर इलाज की सलाह दी गई। सोसायटी के सचिव भगवान दास दामानी एवं शिक्षाविद गोपाल गिरधानी ने सेवासदन के डॉक्टर एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया गया।

मेट्रो एंकर

आज शहर के मंदिरों और दरबारों में होंगे अभिषेक

महाशिवरात्रि उत्सव शुरू, गूंज रहे सिंधी भगत

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में दो दिवसीय आयोजन के बीच हाशिवरात्रि पर दो दिनी मेले की शुरूआत हो गई। देश के कई हिस्सों से सिंधी भगत अपनी प्रस्तुतियां दे रहे हैं। मंगलवार को समाजसेवियों ने शिवाभिषेक कर मेले का शुभारंभ किया। बीते 53 सालों से संतनगर के स्टेशन रोड स्थित उमापति महादेव मंदिर में हर वर्ष 2 दिन तक सिंधी भगत का आयोजन होता है, जिसमें अलग-अलग शहरों से सिंधी भगत मंडलियों द्वारा सिंधी भगत का आयोजन किया जाता है। महाशिवरात्रि पर दो दिवसीय मेले का शुभारंभ मंदिर सेवादारी चंद्र कुमार रामचंदानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, महासचिव नंद ददलानी, पार्षद अशोक मारण, समाजसेवी हीरो केसवानी, सहित गणमान्य नागरिकों द्वारा भगवान शिव का अभिषेक कर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर घनश्याम लालवानी, हीरो हिंदू, गुलाब जेठानी, माधु पारदासानी,गंगाराम वासवानी, अशोक तनवानी, मूलचंद रामचंदानी ,प्रभुदास मूलचंदानी, माधु घनशानी, कालू मंगलानी सहित संत नगर के गणमान्य नागरिक श्रद्धालुओं बड़ी संख्या में मौजूद थे।

अभिनेता पंकज त्रिपाठी बोले जीवन की ग्रोथ रील से नहीं फील से होगी

भोपाल. विद्यार्थी जीवन में बहुत संघर्ष आते हैं। जो विकास के लिए जरूरी भी हैं। स्टूडेंट्स को यह समझना होगा कि जीवन में कुछ भी इंस्टेंट नहीं मिलाता है। धैर्य जरूरी है। रील्स आपको थोड़ी देर के लिए खुश करती हैं। जीवन की असली ग्रोथ रील में नहीं है बल्कि आस-पास की दुनिया को फील करने में है। यह बातें फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि में स्टूडेंट्स को प्रेरित करते हुए कहीं। मंगलवार को मप्र टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'एक्सपर्ट शॉट 5.0' का आयोजन हुआ। इसमें अभिनेता विजय विक्रम संवाद संचालक के रूप में मौजूद रहे। विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कैरेक्टर और फिल्म प्रोसेस पर पंकज ने कहा कि अभिनय बहुत मुश्किल काम है। दुनिया में हम ऐसे मजदूर हैं जो अपनी 'इमोशन' पर मजदूरी करते हैं। हमें कैरेक्टर के दुख को खुद का दुख बना कर दिखाना पड़ता है। हम जीवन की खुशी किरदार को देते हैं और किरदार के दुख को साथ ले आते हैं। वे कहते हैं कि जो किरदार मैं निभा रहा होता हू वो सीधा मेरे दिमाग में असर करता है। मुझे रात को उस किरदार के सपने आते हैं। अभिनय आध्यात्मिक है। यह सिर्फ मनोरंजन और पैसे कमाने का माध्य नहीं है।

30 लाख करोड़ का निवेश 21 लाख नौकरियां लाएगा

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का समापन, जबर्दस्त प्रतिसात से सरकार की उम्मीदें बढ़ीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में पहली बार हुई दो दिनी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का बीती शाम समापन होने के बाद अब सभी विभाग अपने कार्यक्षेत्र के तहत हुए एमओयू पर आगामी कदम उठाने की तैयारी में जुटेंगे। इस समिट में मध्यप्रदेश को 26.61 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। राज्य सरकार का दावा है कि इन प्रस्तावों से प्रदेश में 17.34 लाख रोजगार की संभावना है। उद्योगपतियों ने मैन्युफैक्चरिंग के अलावा रिन्युएबल एनर्जी सेक्टर में सबसे ज्यादा रुचि दिखाई है। अडाणी ग्रुप, रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियों ने भी प्रस्ताव दिए हैं। उल्लेखनीय है कि पहले दिन 22 लाख 50 हजार 657 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव और एमओयू हुए थे। दूसरे दिन 4 लाख 11 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले। दो दिनों में 6 विभागीय समिट हुई हैं, जिनमें 500 से ज्यादा प्रवासी भी शामिल हुए और अपने निवेश प्रस्ताव रखे।

खास बात यह है कि बीते छह महीने में हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और इंटरेक्टिव सेशन में भी निवेश प्रस्ताव मिले थे। इन्हें मिलाकर मध्यप्रदेश को 30.77 लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिल चुके हैं। इनसे 21.40 लाख रोजगार की संभावना है। बताया जाता है कि एविएशन कंपनी फ्लाई भारती के साथ उज्जैन में एयरपोर्ट डेवलपमेंट के लिए एमओयू हुआ। इसमें 750 करोड़ रुपए का निवेश होगा। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस और मध्यप्रदेश नागरिक विमानन विभाग के बीच 5 नई फ्लाइट के लिए करार साइन हुआ है। समिट के दूसरे और आखिरी दिन समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। मंगलवार को सबसे पहले प्रवासी मध्यप्रदेश समिट हुई। इसके बाद चार सेक्टर अर्बन, टूरिज्म, एमएसएमई और माइनिंग की समिट हुई। इस दौरान उद्योगपतियों ने एमओयू साइन किए। सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने समिट का उद्घाटन किया था। समिट में अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी, पतंजलि आयुर्वेद के एमडी आचार्य बालकृष्ण समेत देश के जाने-माने उद्योगपति और निवेशक भी शामिल हुए थे। समिट के

दूसरे दिन की शुरुआत प्रवासी भारतीयों के सम्मेलन के साथ हुई। बकिंघमशायर (लंदन) की मेयर प्रेरणा भारद्वाज, फ्रेंड्स ऑफ एमपी (बोस्टन चैप्टर) के अध्यक्ष रोहित दीक्षित, फिजी के हाई कमिश्नर जगन्नाथ सामी, जिम्बाब्वे के राज मोदी, फ्रेंड्स ऑफ एमपी चैप्टर के कई सदस्य और मध्यप्रदेश से जुड़े प्रवासी भारतीयों ने सहभागिता की।

अब पर्यटन पर विशेष समिट होगी- सीएम

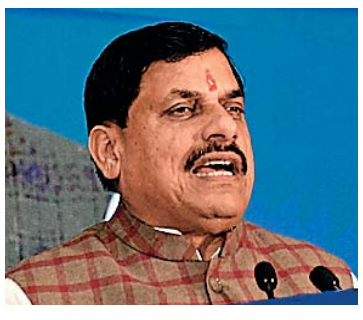

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा पर्यटन पर विशेष समिट आयोजित होगी। इंदौर, नागदा, उज्जैन, देवास, मक्सी (शाजापुर), पीथमपुर (धार) को जोड़कर महानगर के रूप में विकसित किया जाएगा। भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा का भी समन्वित रूप से विकास होगा। उज्जैन में 3300 हेक्टेयर में धार्मिक नगर विकसित किया जाएगा। वहीं, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, रीवा, नर्मदापुरम जैसे छोटे शहर भी अब औद्योगिक विकास के नए केंद्र बन रहे हैं। हेल्थ टूरिज्म के तहत प्रदेश एयर एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है। 10 मार्च को प्रदेश के 9वें टाइगर रिजर्व के रूप में माधव नेशनल पार्क का लोकार्पण होगा। यादव ने मध्यप्रदेश के प्रवासी नागरिकों, फ्रेंड्स ऑफ एमपी, इंडिया कनेक्ट के सदस्यों से कहा कि मध्यप्रदेश में रोजगार के नए अवसरों के सृजन में प्रदेश के प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब लंदन में मध्यप्रदेश के निवासी मेयर बनते हैं, तो यहां भी आतिशबाजी की जाती है। यह आंतरिक लगाव और मध्यप्रदेश की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।

गृहमंत्री ने क्या का

— जब कोई निवेशक किसी राज्य में निवेश के लिए आता है तो उसकी कुछ प्राथमिकता होती है पहली प्राथमिकता है कि राज्य में स्थाई सरकार हो और नीतियों में उलझन न हो, आसानी से निवेश की स्थिति बन जाए। मप्र पहले से ही यह प्राथमिकता पूरा कर रहा है।
— मप्र ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में सेक्टरवार समिट करके बहुत बड़ा काम किया। संबंधित क्षेत्रों के निवेशकों को पूरा समय दिया, उनकी बात सुनी। दूसरे राज्य भी यह प्रयोग कर सकेंगे।
— खनिज खदानों से लेकर हर तरह के संसाधन भरपूर है। किसी बात की कोई कमी नहीं है।
— पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकारों ने देश के विकास की मजबूत नींव रखने का काम किया। 56 करोड लोगों को बैंकिंग सेवा उपलब्ध कराई। 10 साल में 127 हवाई अड्डे हो गए। हमारी सरकार ने ऐसे सेक्टरों पर जोर दिया है जो विश्व को एक नई दिशा प्रदान करेंगे। चाहे वह सेमीकंडक्टर हो या इलेक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग हमने एक–एक गैप को खत्म किया।

शाह से मिली सरकार को तारीफें,

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट हिस्सा लेने के आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मोहन सरकार, कैबिनेट के साथी, मुख्य सचिव अनुराग जैन और उनकी टीम की तारीफें की व कहा कि मप्र में मोहन यादव के नेतृत्व में मजबूत और स्थाई सरकार है, जो निवेश मिला है, उससे मोदी के विकसित भारत बनाने में मदद मिलेगी। शाह ने जीआईएस और रीजनल समिटों में मिले 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव और एमओयू को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच को मप्र आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि आप आगे बढ़कर मप्र में निवेश करने की बात कही। यह भी भरोसा दिया कि यदि कोई परेशानी आई तो केंद्र भी उसे दूर करने में मदद करेगा। गृहमंत्री शाह ने विपक्ष को लेकर किसी का नाम लिए बिना कहा कि 20 वर्ष पहले मप्र बीमारु राज्य था।

शाह ने सीएम, वीडी, डिप्टी सीएम और कैलाश से की बात!

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लौटने के पहले सीएम मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा व राजेंद्र शुक्ल और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से अलग–अलग बात की। यह चर्चा स्टेट हैंगर पर हुई। करीब 35 मिनट तक चली इस बातचीत में शाह ने नेताओं को एकजुट रहने, जनता की प्राथमिकता समझकर आगे बढ़ने, विपक्ष को मुंहतोड़ जवाब देने, जनप्रतिनिधियों को अधिक से अधिक सुनने का सुझाव दिया। सूत्रों के मुताबिक जब चर्चा शुरू हुई तब तक मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जाम में फंसने के कारण नहीं पहुंच पाए थे, जिनके लिए पुलिस को वायरलेस पर मैसेज करना पड़ा। इस बातचीत के कई मायने निकाले जा रहे है, बताया जा रहा है कि शाह ने एक तरह से नेताओं में संतुलन बैठाने का काम किया, ताकि एकजुटता और पक्की हो जाए और विपक्ष को जवाब देने में कोई कसर बाकी न रहे।

उच्च शिक्षा : मार्च से सार्थक एप से ही मान्य होगी हाजिरी, विभाग ने जारी किए आदेश

60 फीसद उपस्थिति एप के माध्यम से लगाई जा रही है, अब कटेगा वेतन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के कॉलेजों सहित विभागीय कार्यालयों में ऑनलाइन हाजिरी को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन 40 फीसदी लोकसेवक अब भी ऑनलाइन हाजिरी दर्ज नहीं करा रहे हैं। ऐसे में विभाग ने एक बार फिर हाजिरी को लेकर सख्त रुख अपनाया है और अब सार्थक एप के माध्यम से हाजिरी अनिवार्य की गई है। ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कराने की स्थिति वेतन भी काटा जा सकता है। दरअसल, प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी और अतिथि विद्वानों की सार्थक एप से उपस्थिति पिछले साल जुलाई से ही अनिवार्य की गई है। इसके बावजूद उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज नहीं हो रही है। अभी भी सिर्फ 60 फीसद उपस्थिति एप के माध्यम से लगाई जा रही है। इसे देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने फिर से सभी क्षेत्रीय संचालकों को पत्र जारी करते हुए निर्देश दिए हैं कि एक मार्च से सबकी उपस्थिति सार्थक एप से ही मान्य की जाएगी। इसमें गैरहाजिर होने पर वेतन का भुगतान रोक दिया जाएगा।

साथ ही कार्रवाई भी की जाएगी।

सूची होगी तैयार, 28 फरवरी तक देनी होगी रिपोर्ट

विभाग ने कहा है कि कालेजों के सभी अधिकारी/कर्मचारी/अतिथि विद्वान/आउटसोर्स एवं अन्य सभी की एक सूची बनाई जाए। सूची के अनुसार अधिकारी व कर्मचारी के लिए लॉगिन उनका ट्रेजरी एम्पलाई कोड ही होना चाहिए। वहीं अतिथि विद्वानों के लिए लॉगिन आईडी उनका मोबाइल नंबर ही होना चाहिए। प्रदेश के सभी अतिरिक्त संचालकों को इस कार्य को पूर्ण करने के लिए 28 फरवरी तक का समय दिया गया है। इसकी रिपोर्ट भी मुख्यालय को भेजनी होगी। एक मार्च से सभी की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से की जाएगी।

शोधार्थियों 7 मार्च तक कर शोध पत्र की जानकारी कर सकेंगे ईमेल

11 और 12 अप्रैल को होगा अखिल भारतीय शोध सम्मेलन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लोकमाता अहिल्याबाई के 300वें जयंती वर्ष पर भोपाल में 11 और 12 अप्रैल को अखिल भारतीय शोध सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों और सभी कॉलेजों को दिशा-निर्देश जारी करते हुए शोधार्थियों से शोध पत्र ईमेल करने को कहा गया है।
विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि लोकमाता अहिल्याबाई राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना के नाम से एक अखिल भारतीय शोध सम्मेलन (कॉन्फ्रेंस) का आयोजन भोपाल में 11 और 12 अप्रैल, 2025 को किया जाएगा। संयोजक, अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह समिति, शिवाजी नगर, भोपाल द्वारा यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस लिए विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारियों एवं 55 जिलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नोडल अधिकारी लोकमाता के कृतित्व के विभिन्न पक्षों में से

कुछ विषयों का चयन कर, चयनित विषयों पर 4-5 पृष्ठ में शोध पत्र 7 मार्च, 2025 तक ई-मेल पर प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

22 फरवरी तक नहीं भेज पाए जानकारी:
लोकमाता के कृतित्व के विभिन्न पक्षों में से कुछ विषयों का चयन कर, चयनित विषयों पर शोधार्थियों से शोध पत्र 15 फरवरी, 2025 तक ई-मेल पर प्रेषित करते हुए इसकी जानकारी ईमेल पर भी भेजने के लिए अनुरोध किया गया है। लेकिन विभाग के अनुसार यह जानकारी 22 फरवरी तक नहीं मिली है। अब विभाग ने इसके लिए 7 मार्च 2025 तक का समय दिया है।

संपादकीय

सवाल सेवाओं के दुरुस्त होने का

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को हाल में एयर इंडिया के विमान में यात्रा के दौरान असुविधा क्या हुई, पूरे देश में इसकी चर्चा छिड गई। खुद मंत्री ने ही अपनी असुविधा को सोशल मीडिया पर बयां किया था। लिहाजा इसकी सर्विस एक बार फिर विवादों में है। हालांकि एयर इंडिया इसके लिये माफी मांग चुका है लेकिन इस बार विवाद कुछ ज्यादा बढ़ा हुआ दिख रहा है तो उसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि अबकी सवाल मौजूदा सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की ओर से उठाए गए हैं। लेकिन इस सारे हो-हल्ले का हासिल क्या होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। मंत्री शिवराज ने एक यात्री के तौर पर अपने जो अनुभव बताए, वैसे अनुभव एयर इंडिया के विमानों से यात्रा करने वाले लोग अक्सर जाहिर करते रहे हैं। कभी सीट गड़बड़ होती है तो कभी कचरा फैला दिखता है और कभी फ्लाइट में देरी के चलते यात्रियों की आगामी कार्यक्रमों की सारी कैलकुलेशन बिगड़ जाती है। उन्हें अच्छा-खासा नुकसान झेलना पड़ता है। बहरहाल ताजा मामले में सिविल एविएशन की नियामक संस्था डीजीसीए ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल एयर इंडिया को नोटिस भेज दिया। लेकिन डीजीसीए की ओर से 2022 में जारी डायरेक्टिव में भी यह यह स्पष्ट तौर पर कहा जा चुका है कि एयरलाइन कोई ऐसी सीट नहीं बेचेगा जो सर्विस के लायक न हो। खबरों के मुताबिक क्रू मेंबर्स ने मैनेजमेंट को खराब सीटों के बारे में जानकारी भी दे दी थी। इसके बावजूद उन सीटों के लिए टिकट बुक की गई। इससे ऐसा लगता है कि मामला किसी गफलत या लापरवाही का नहीं, मैनेजमेंट की पॉलिसी और यात्रियों की सुविधाओं को दी जाने वाली अहमियत से जुड़ा है। बहस का एक सिरा पब्लिक सेक्टर की बदइंजतामी के बरक्स निजी क्षेत्र की कुशलता से भी जुड़ता है। यह आम मान्यता रही है कि पब्लिक सेक्टर की इस कंपनी को प्राइवेट हाथों में अच्छे दिन नसीब होंगे। मगर पिछले तीन साल का अनुभव बताता है कि सिर्फ पब्लिक से प्राइवेट में आ जाने भर से किसी कंपनी की बेहतरी सुनिश्चित नहीं हो जाती। यह भी समझना होगा कि एयर इंडिया जैसी किसी कंपनी का कायापलट करना और उसे कुशलता का दूसरा नाम बनाना कोई आसान काम नहीं है। मौजूदा मामला विमानों के रखरखाव और मरम्मत से जुड़ा है। जानकार बताते हैं कि एयर इंडिया के पुराने विमानों की रिपेयरिंग में देर सप्लाई चेन से जुड़ी बाधाओं के चलते हो रही है। बहरहाल, इन चुनौतियों को यात्रियों की तकलीफों के बचाव के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। भारत में प्राइवेट एयरलाइन की और भी सर्विस हैं तथा अक्सर कोई ने कोई शिकायत गडबडी आदि सामने आती रही है। चूंकि अब मामला केंद्रीय मंत्री की खुली शिकायत का है तो उम्मीद की जा सकती है कि विमान कंपनियां अपने मुसाफिरों को बेहतर सेवा देने की कोशिश करेंगी तथा ऐसी घटनाएं दोबारा न होने देने के अपने वादे पर कितना खरी उतरेंगी। हालांकि विमान सेवा के साथ ही सार्वजनिक परिवहन के कई साधन भी बदहाल ही मिलते हैं, चाहे रेल हों या बसें, इनमें भी आम आदमी को तमाम तकलीफ झेलकर सफर करना पडता है, यदि आवाज उठाई भी जाती है तो उसकी गूंज इस तरह नहीं होती, जैसी किसी वीआईपी की आवाज पर होती है। इसीलिये केंद्रीय मंत्री की तकलीफ को हवाईजहाज के यात्रियों की तकलीफ तक ही सीमित नहीं किया जाना चाहिये,बल्कि सभी तरफ संबंधित एजेंसियों को संज्ञान लेना चाहिये।

प्राणी के जीवन में सन्तोष दरिद्रता का दूसरा नाम है।
- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 1233 मंगोल-जिन युद्ध- मंगोलों ने महीनों तक घेरे रखने के बाद जिन राजवंश की राजधानी कैफ़ेंग पर कब्ज़ा कर लिया।
- 1773 वॉलनट सेंट जेल फिलाडेल्फिया के लिए निर्माण अधिकार)।
- 1815 नेपोलियन बोनापार्ट इटली के तट से दूर स्थित द्वीप एल्बा से भाग निकला, जहां एक वर्ष पहले फॉनटेनब्लू की संधि पर हस्ताक्षर होने के बाद उसे निर्वासित कर दिया गया था।
- 1832 पोलैंड का संविधान हटा दिया गया।
- 1848 दो फ्रांसीसी गणराज्यों की घोषणा की गई।
- 1863 अमेरिकी राष्ट्रपति लिंकन ने अमेरिकी मुद्रा अधिनियम पर हस्ताक्षर किये।
- 1863 अब्राहम लिंकन ने राष्ट्रीय मुद्रा अधिनियम पर हस्ताक्षर किये।
- 1866 न्यूयॉर्क विधानमंडल ने नीक मेट्रोपोलिटन स्वास्थ्य बोर्ड का गठन किया।
- 1885 बर्लिन सम्मेलन के अंतिम चरण में ÷अफ्रीका के लिए संघर्ष÷ ने यूरोपीय उपनिवेशवाद और व्यापार को नियंत्रित किया।
- 1909 किनेमाकलर, जो सबसे प्रारंभिक सफल रंगीन चलचित्र प्रक्रिया थी, से बनी पहली फिल्में ब्रिटिश आम जनता को दिखाई गई।
- 1910 ऑस्ट्रिया-हंगरी ने संयुक्त राज्य अमेरिका को सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र का दर्जा दिया।
- 1917 न्यू ऑरलियन्स के ओरिजिनल डिक्सीलैंड जैस बैंड ने लिवरीस्टेबल ब्लूज़ रिकॉर्ड किया

निशाना

काण्ड भी तमाम !

-कृष्णेन्द्र राय

जैसी करनी वैसी भरनी।
खाए खूब मलाई॥
पर आए थे करने।
जनता की भलाई॥
तय मिलना परिणाम।
पेश किया जो काम॥
सत्य है पर लेकिन।
काण्ड भी तमाम॥
एक एक कर चीजें।
बाहर आने वाली॥
हो रहा कुछ सूखा।
थी पहले हरियाली॥
होना था प्रहार ये।
आज नहीं तो कल॥
फंस गई है गाड़ी।
लगता मुश्किल हल॥

महाकुंभ: 'एक थाली और एक थैला' अभियान ने दिखा दी देश को नई दिशा

■ विनोद पाठक

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद 4200 हेक्टेयर में फैला महाकुंभ मेला क्षेत्र स्वच्छ नजर आता है। आंकड़ों पर जाएं तो महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 14 लाख से अधिक स्टील की थालियां वितरित की हैं। 13 लाख से अधिक कपड़े के थैले बांटें हैं। देश इसका अनुसरण कर एक बड़ी समस्या से निजात पा सकता है। देश में हर वर्ष अरबों प्लास्टिक की थाली, गिलास, चम्मच आदि का इस्तेमाल विभिन्न अवसरों पर होता है। इनकी जगह यदि स्टील का इस्तेमाल हो तो बड़ी राहत मिल सकती है।

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में एक ऐसा अनूठा अभियान चलाया जा रहा है, जो देश में प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर दिशा और दशा, दोनों को बदल सकता है। दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महाकुंभ से पहले देशभर से एक थाली और एक थैला इकट्ठा करने का बड़ा अभियान छेड़ा था, ताकि प्लास्टिक की थाली और थैलियों के प्रयोग से बचा जा सके।देश से जुटाई गई स्टील की थालियों और कपड़े के थैलों की महाकुंभ में अखाड़ों, संस्थाओं और सरकारी विभागों को आपूर्ति की गई। इस अभियान के क्रांतिकारी परिणाम सामने आए हैं, जो न केवल आर्थिक, बल्कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद 4200 हेक्टेयर में फैला महाकुंभ मेला क्षेत्र स्वच्छ नजर आता है। हजारों की संख्या में मेला क्षेत्र में भंडारे चलने के बावजूद कहीं भी प्लास्टिक की थाली या गिलास देखने को नहीं मिल रहे हैं। मेला प्रशासन की सफाई को लेकर व्यवस्था तो ही है, लेकिन इसका बड़ा श्रेय एक थाली और एक थैला अभियान को भी जाता है।

महाकुंभ आयोजन से जुड़े सरकारी अधिकारियों ने भी प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर प्रयास शुरू किए। इसमें साधु-संतों को अपने साथ जोड़ा गया। अखाड़ों ने यह प्रण लिया कि इस बार प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। हालांकि, असली समस्या यह आ रही थी कि यदि प्लास्टिक नहीं तो फिर क्या? इसका रास्ता दोना-पत्तल और कुल्हड़ से निकला, लेकिन करोड़ों की संख्या में इनकी आपूर्ति आसान नहीं होती। फिर इनके निस्तारण की व्यवस्था भी करनी पड़ती। इसके बाद स्टील की थाली और कपड़े के थैले का आइडिया सामने आया। स्टील की थाली को धोकर दोबारा इस्तेमाल में लिया जा सकता है।

आंकड़ों पर जाएं तो महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 14 लाख से अधिक स्टील की थालियां वितरित की हैं। 13 लाख से अधिक कपड़े के थैले बांटें हैं। पौन तीन लाख से अधिक स्टील के गिलास बांटे गए हैं। इस अभियान से 29,000 टन अपशिष्ट की कमी आई है और 140 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है। एक थाली और एक थैलाझ अभियान में साधु-संतों और संस्थाओं का योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने इस अभियान को न केवल हाथों-हाथ लिया, बल्कि ऐसी व्यवस्था की कि भक्त स्वयं थालियां को साफ करें और सुरक्षित रखकर जाएं। यही कारण है कि मेला क्षेत्र प्लास्टिक की थाली या गिलास नजर नहीं आए। दूसरा, प्रशासन ने दोना-पत्तल, कुल्हड़ और कपड़े के थैलों को बहुत अधिक बढ़ावा दिया, जो बायोडिग्रेडेबल हैं। पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचते हैं। मेला प्रशासन ने अपनी ओर से अखाड़ों को दोना-पत्तल, कुल्हड़ और जूट-कपड़े के थैले मुफ्त में वितरित किए। सभी 25 सेक्टरों में इनके स्टॉल्स लगाए। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर जनजागरुकता अभियान चलाया। पूरे मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री घोषित किया। आज देश के आगे प्लास्टिक एक गंभीर समस्या बना हुआ है। खासकर प्लास्टिक की थाली, गिलास और चम्मच पर्यावरण को बेहद नुकसान पहुंचा रहे हैं। प्लास्टिक, जो बरसों-बरस तक डिकम्पोज नहीं होता है। इस समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कई बार टिप्पणी कर चुका है, लेकिन कोई भी राह इस दिशा में नजर नहीं आ रही है, लेकिन जिस तरह से महाकुंभ में स्टील की थाली व गिलास और कपड़े के थैले ने राह दिखाई है, वो काबिलेतारीफ है।

देश इसका अनुसरण कर एक बड़ी समस्या से निजात पा सकता है। देश में हर वर्ष अरबों चम्मच आदि का इस्तेमाल विभिन्न अवसरों पर होता है। इनकी जगह यदि स्टील का इस्तेमाल हो तो बड़ी राहत मिल सकती है। स्टील को न केवल बार-बार प्रयोग में लिया जा सकता है, बल्कि खराब होने पर ये आसानी से रि-साइकिल भी हो जाता है।

महाकुंभ में आए करोड़ों लोगों ने इस अभियान को देखा है। निश्चित रूप से वो इससे प्रेरित हुए होंगे। आगामी दिनों में हमें शादी, भंडारों और अन्य अवसरों पर प्लास्टिक के बजाय स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल देखने को मिल सकता है। कपड़े के थैले को लेकर अभियान देश भर में चलता रहता है। बहुत से संगठन इससे जुड़े हुए हैं, लेकिन स्टील की थाली एक क्रांतिकारी कदम साबित होने वाला है। निश्चित ही महाकुंभ से निकला यह संदेश देश भर में पहुंचेगा।

(साभार: यह लेखक के विचार है।)

शांति की संस्कृति एवं समझ को विकसित करने की जरूरत

■ ललित गर्ग

एक शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण, विविध संस्कृतियों, धर्मों और क्षेत्रों के बीच सद्भाव, करुणा और सहयोग की स्थायी भावना की अपेक्षा को आकार देने के लिये हर वर्ष विश्व शांति एवं समझ दिवस 23 फरवरी को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह अवसर मानवीय सेवा, शांति और सद्भावना के प्रतीक रोटरी इंटरनेशनल की संस्थापक बैठक से जुड़ा है, जो एक अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण दुनिया को बढ़ावा देने के लिए दुनिया में सामूहिक जिम्मेदारी का एक मार्मिक अनुस्मारक एवं महा अनुष्ठान है। साल 2025 में इस दिवस का उद्देश्य दुनियाभर में शांति और समझ को बढ़ावा देते हुए शांति की संस्कृति का विकास करना है। यह विषय एक ऐसी दुनिया की दिशा में सक्रिय रूप से काम करने के महत्व पर जोर देता है जहाँ शांति की समझ केवल एक आकांक्षा नहीं बल्कि हमारे दैनिक जीवन, व्यवहार और बातचीत का एक हिस्सा हो। यह दुनिया में संघर्ष को रोकने के लिए विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोणों के लिए सहानुभूति और सम्मान को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है एवं शांति की संस्कृति को विकसित करने के लिए व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों से सामूहिक प्रयास की आवश्यकता को उजागर करता है। दुनिया में प्रेम-भाईचारा और शांति को बनाए रखना एवं हिंसारहित दुनिया निर्मित करना भी इस दिवस का ध्येय है।

रोटरी इंटरनेशनल की यात्रा 1905 में पॉल पी. हैरिस के साथ शुरू हुई, जिन्होंने राजनीति और धर्म की सीमाओं से परे विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवरों को शामिल करते हुए एक भाईचारे एवं बंधुत्व भावना की कल्पना की थी। यह दृष्टिकोण पहले रोटरी क्लब में साकार हुआ, जिसे आधिकारिक तौर पर 1908 में शामिल किया गया था, जिससे एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत हुई जिसने अंतत: एक वैश्विक आयाम ग्रहण किया। पहले प्रमुख अमेरिकी शहरों और बाद में दुनियाभर में रोटरी क्लबों की स्थापना ने 1925 तक रोटरी इंटरनेशनल के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त की, आज, 200 से अधिक देशों और भौगोलिक क्षेत्रों में फैले 46,000 से अधिक क्लबों में 1.4 मिलियन से अधिक सदस्यों के साथ, रोटरी इंटरनेशनल मानवीय सेवा में वैश्विक एकजुटता का प्रतीक है।

आज जबकि पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक एवं क्रूरता से त्रस्त है, इन जटिल एवं विषम परिस्थितियों में दुनिया में शांति की समझ पैदा करना पूरी मानव जाति का कर्तव्य है। समाज में समझ से ही शांति स्थापित की जा सकती है। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्तकता है। इसके विपरीत यदि, पूरी दुनिया के लोग एक दूसरे को घृणा, द्वेष और नफरत की दृष्टि से देखेंगे तो उसका परिणाम युद्ध और विनाश के रूप में सामने आएगा। संघर्ष, अविश्वास, गलतफहमी और विद्रोह समाज को बांटता है और उसे एक अन्नत संघर्ष की खाई में धकेल देता है। अविश्वास, अहंकार एवं महत्वाकांक्षाएं समाज को गलतफहमी, विद्रोह, लड़ाई और संघर्ष की ओर ले जाती है। इसलिए समाज में विश्वास और शांति स्थापित करने के लिए सभी मनुष्यों को एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोगी के रूप में कार्य करना होगा। यह दिवस दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों से निपटने में सामूहिक कार्रवाई की शक्ति की याद दिलाता है। यह हमें अपने मतभेदों से परे देखने और सभी के लिए शांति, समृद्धि और कल्याण के सामान्य लक्ष्यों की दिशा में मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। सामुदायिक सेवा, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नैतिक मानकों को बढ़ावा देने के माध्यम से, विश्व शांति और समझ दिवस स्थायी शांति प्राप्त करने में सद्भावना के महत्व को रेखांकित करता है। मनुष्य, पशु, पक्षी, कीड़े, मकोड़े आदि सभी जीना चाहते हैं। कोई मरने की इच्छा नहीं रखता। जब कोई मृत्यु चाहता ही नहीं, तो उस पर उसको थोपना कहां का न्याय है। शांति, सहजीवन एवं अहिंसा में विश्वास रखने वाले लोग किसी प्राणी को सताते नहीं, मारते नहीं, मर्माहत करते नहीं, बल्कि एक दूसरे का सहयोग करते हुए एक उन्नत दुनिया का निर्माण करते हैं। शांति की समझ है स्वयं के साथ सम्पूर्ण मानवता को ऊपर उठाने में, आत्मपतन से बचने में और उससे किसी को बचाने में। अशांति अंधेरा है और शांति उजाला है। आंखें बंद करके अंधेरे को नहीं देखा जा सकता। इसी प्रकार अशांति से शांति को नहीं देखा जा सकता। शांति को देखने के लिए आंखों में अहिंसा, करूणा एवं प्रेम का उजाला आंजने की अपेक्षा है। पृथ्वी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यूँ तो 'विश्व शांति' का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन विश्व युद्ध की संभावनाओं के बीच इसकी आज अधिक प्रासंगिकता है। अपनों का साथ स्वर्ग है तो शत्रुओं का साथ नरक। प्रेम व मित्रता की ओर बढ़ना, स्वर्ग की ओर बढ़ना है। वैर व घृणा की ओर कदम बढ़ाना अपने नरक को खड़ा करना है। स्वर्ग में रहना है या फिर नरक में, ये चुनाव हमारा अपना है। लेकिन इस दृष्टि से यह विश्व शांति और समझ दिवस अधिक प्रासंगिक है और हमारी शांति की समझ को व्यापक बनाता है।

इजराइल और हमास में युद्ध विराम समझौते के बाद दुनिया चाहती है कि रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है। इसी तरह अनेक राष्ट्र आतंकवाद से त्रस्त है। इन विकट एवं विकराल होती स्थितियों के बीच इस साल विश्व शांति और समझ दिवस की 118वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इन वर्षों के दौरान पूरी दुनिया ने विश्व शांति और सद्भावना को लेकर लंबा रास्ता तया किया है। वहीं दुनिया भर के लोगों में सद्भावना, शांति और समझ विकसित करने के लिए अभी और लंबा रास्ता तय करना है। रोटरी क्लब अपने सदस्यों को, स्थानीय क्लबों के स्तर पर किए गए कार्यों से, स्थानीय और विश्व समुदाय की सेवा करने का अवसर प्रदान करता है। इसका ध्येय है- सत्य, न्याय, लोगों के बीच संबंधों में सुधार और विश्व शांति। उम्मीद है कि इसका नतीजा युद्धों के अंत के रूप में सामने आएगा। आज कई लोगों का मानना है कि विश्व शांति को सबसे बड़ा खतरा साम्राज्यवादी आर्थिक और राजनीतिक कुचेष्टाओं से है। विकसित देश युद्ध की स्थिति उत्पन्न करते हैं, ताकि उनके सैन्य साजो-समान बिक सकें। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता।

आज सैन्य साजो-सामान उद्योग विश्व में बड़े उद्योग के तौर पर उभरा है। हिंसा, आतंक एवं अशांति विश्व की ज्वलन्त समस्याएं हैं। अहिंसा, करूणा एवं शांति ही इन समस्याओं का समाधान है। अहिंसा सव्वभूयखेमंकरी- विश्व के समस्त प्राणियों का कल्याण करने वाली तेजोमयी अहिंसा की ज्योति पर जो राख आ गई, उसे दूर करने के लिए तथा अहिंसा की शक्ति पर लगे जंग को उतार कर उसकी धार को तेज करने के लिए अहिंसक एवं शांतिपूर्ण समाज रचना की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया में विश्वशांति एवं अहिंसा की स्थापना के लिये प्रयत्नशील है, समूची दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है कि एक बार फिर शांति एवं अहिंसा का उजाला भारत करें। कुछ लोग कह सकते है-'एक दिन विश्व शांति और समझ दिवस मना भी लिया तो क्या हुआ? लेकिन ऐसे दिवस की बहुत सार्थकता है, उपयोगिता है, इससे अंतर-वृत्तियां उद्बुद्ध होंगी, अंतरमन से शांति की समझ को अपनाने की आवाज उठेगी और हिंसा, अशांति, तनाव एवं में लिप्त मानवीय वृत्तियों में शांति की समझ आएगी।

मेले के नौवां दिन : भक्तों ने लगाए हर-हर महादेव के जयकारे

महादेव मंदिर तक दुर्गम मार्गों पर श्रद्धालुओं का लगा तांता

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मेले के नोवें दिन भी भक्तों की अपार भीड़ से पचमढ़ी में हर भोला हर हर महादेव के जयकारों से महादेव चौरागढ़ दर्शन हेतु पधारे भक्तों से पूरा पचमढ़ी भक्तिमय हो रहा है। पचमढी में महाशिवरात्री के पावन पर्व पर भक्तों की अपार भीड उमड रही है। दुर्गम मार्ग होने के बाबजूद पूरी श्रद्धा एवं अस्था के साथ महादेव एवं चौरागढ जा रहे हैं। अभी तक लगभग 1 लाख 50 हजार से अधिक श्रद्धालू दर्शन कर चुके हैं।

पचमढी को भगवान शिव की तपस्या स्थली माना जाता है। मान्यता है कि महारष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के लोग भगवान शिव को अपना बहनोई तथा देवी पार्वती को अपनी बहन मानते है, इसलिये विशेष रूप से विदर्भ के श्रद्धालू महाशिवरात्रि पर भगवान शिव को त्रिशूल भेंट देने आते है, भक्तजन बडे बडे वजन के त्रिशूल लेकर अपने आरध्य को अर्पित करने के लिये दुर्गम रास्तों से पहुँचते हैं तथा कई श्रद्धालू अपनी मनोकामना पूरी होने पर ही मंदिर में त्रिशूल भेंट करते हैं।

कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार अध्यक्ष, महादेव मेला समिति सौजान सिंह रावत, सचिव श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त दण्डाधिकारी नर्मदापुरम डीके सिंह द्वारा मेले की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। भक्तों की आवागमन, भोजन व्यवस्था, सफाई, चिकित्सा व्यवस्था आदि का मौके पर जा कर आला अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर संबधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये जा रहे हैं। एसपी डॉ गुरकरन सिंह के निर्देशानुसार एवं एसडीओपी पिपरिया मोहित यादव के मार्गदर्शन में पुलिस टीम सुरक्षा की दृष्टि से सेक्टर पाईटो के साथ ही जगह जगह पर तैनात है, बढती भीड को देखते हुए पुलिस टीम भक्तों को समझाईस भी दे रही है। चिकित्सक एवं स्वास्थ कर्मी बीमार एवं चौटिल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार कर उन्हें पचमढी अस्पताल रेफर किया जा रहा है।

क्षेत्रीय परिवहन विभाग द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में चल रहे वाहनों की चेंकिंग कर ओवरलोडिंग को रोकने की एवं निर्धारित राशि भक्तों से लेने की हिदायतें दी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा अभी तक कई वाहनों की चालानी कार्यवाही भी की गई है।

रामजी बाबा मेले का हुआ समापन : नपाध्यक्ष और कलेक्टर ने झूला झूलकर लिया मेले का आनंद

संत शिरोमणी श्रीरामजी बाबा मेला सबसे लंबी अवधि तक चलने वाला सुव्यवस्थित मेला है। यह दूसरे मेले की अपेक्षा अलग है। इस मेले के आयोजन में सभी लोग सहयोग करते हैं। नगरपालिका परिषद द्वारा आयोजित संत शिरोमणी श्रीरामजी बाबा मेले के समापन अवसर पर बतौर अतिथि के रूप में कलेक्टर सोनिया मीना ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए

आगे कहा कि इस मेले का सफलतापूर्वक संचालक करने में अधिकारीगण बहुत मेहतन करते हैं और बड़ी संख्या में जिले से सहित आसपास के जिले के लोग शामिल होने आते हैं। यह मेला मेरे कार्यकाल में दूसरी बार आयोजित हो रहा है। यह मेला सुव्यवस्थित रूप से संचालित होता है।

कलेक्टर ने कहा कि नर्मदापुरम जिला मेलों का जिला है। पूरे वर्ष विभिन्न त्यौहारों पर, तिथियों पर मेले का आयोजन होते रहता है। सुविधाजनक मेले का आयोजन नगरपालिका सुनिश्चित करती है। घाटों पर किसी प्रकार की घटना घटित न हो टीम लगी रहती है। हमारे जिले की तस्वीर ही ऐसी है कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी का सहयोग करते हैं। बहुत शांत प्रिय जिला है। सफल समृद्ध समाज है। आपके सहयोग से ही कानून व्यवस्था को मेंटनेंस कर पाते हैं।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव द्वारा दिया गया। मेले के बेहतर संचालन की जानकारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा दी गई।

कलेक्टर सोनिया मीना, नपाध्यक्ष नीतू यादव सहित मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, नपा के उपयंत्री, सभापतिगण, पार्षदगणों ने मेले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सबसे बड़े झूले में बैठकर झूले का आनंद लिया।

नगरपालिका द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया। साथ ही मां नर्मदा को स्वच्छ रखने घाट पर साफ सफाई अभियान चलाने वाले स्वयंसेवी संगठनों, नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी, व्यवस्थापकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही स्मृति चिह्न देकर सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

आज पंचवटी सिद्धधाम में भोलेनाथ की बारात का होगा भव्य स्वागत

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के पंचवटी सिद्धधाम में मंगलवार को भगवान भोलेनाथ की हल्दी की रस्म गाजे बाजे के साथ बडे धूमधाम से पूरी की गई। साथ ही भोलेनाथ एवं माता पार्वति को मेंहदी की रस्म की गई।

इस दौरान दर्जनो महिलाए मोजूद रही। आज महाषिव रात्रि के दिन भगवान भोले नाथ की भव्य वरात थाना परिसर पिपलेस्वर महादेव से आएगी जिसका स्वागत पंचवटी सिद्ध के समिति के द्वारा किया जाएगा। साथ ही भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वति का विवाह साम 6 बजे सम्पन्न होगा। महाषिवरात्रि पर सुबह 10 बजे षिवलिंग निर्माण एवं रूद्राभिषेक होगा एवं साम 7 बजे भगवान भोलेनाथ की महा आरती होगी।

भगवान के मोक्ष कल्याणक पर जिनालयों में चढ़ाया निर्वाण लाडू

गंज बासौदा, दोपहर मेट्रो

भगवान मुनि सुब्रतनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक के पावन पर्व पर जैन समाज ने नगर के सभी जिनालयों में निर्वाण लाडू चढ़ाकर निर्वाण महोत्सव मनाया। वहीं स्थानीय श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर त्रिमूर्ति जिनालय बरेठ रोड पर मुनि श्री विमल सागर महाराज एवं मुनि श्री अनंत सागर महाराज के सान्निध्य में मूल नायक भगवान मुनि सुब्रतनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव बड़े ही भक्ति भाव के साथ मनाया गया।

मुनि संघ के मंगल सानिध्य में आयोजन का शुभारंभ मंगलाष्टक के साथ किया गया। वहीं रजत कलशों से कलशाभिषेक एवम् मूल नायक भगवान का मस्तकाभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद बृहद शांतिधारा मुनि श्री के मुखारविंद से सुनने का अवसर समाज जन प्राप्त हुआ। वही मंगल देशना के बाद भगवान मुनि सुब्रतनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर सामूहिक निर्वाण लाडू भी चढ़ाया गया। वही भगवान की पूजन के साथ साथ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की भी संगीतमय पूजन की गई।

पेपर देकर लौट रही छात्रा 15 फीट ऊंचे पुल से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

- घर लौटते समय चक्कर आया और नीचे गिर गई
- पुलिस कर रही मामले की जांच

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चैकी अंतर्गत आने वाले सोमखेड़ा गांव की एक कक्षा बारहवीं की छात्रा क्रांति खंगार मंगलवार को हिंदी का पेपर देकर लौटते समय 15 फीट ऊंचे पुल से नीचे गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई छात्रा को गांव के एक व्यक्ति ने देखा और तुरंत परिजनों को इसकी सूचना दी परिजन 108 एंबुलेंस की मदद से छात्रा को जिला अस्पताल ले गए, जहां उसके पैर में गंभीर चोट के चलते इलाज जारी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार छात्रा क्रांति खंगार ने बताया कि वह इमलिया के हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केंद्र में पेपर देने गई थी परीक्षा के दौरान ही उसे हल्के चक्कर आ रहे थे 12 बजे पेपर देकर वह पैदल ही घर लौट रही थी परेवा नदी के पुल पर पहुंचते ही अचानक चक्कर आने से वह बेहोश होकर पुल से नीचे सूखी नदी में गिर गई।

इस संबंध में तेजगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक पटेल ने बताया कि छात्रा के पुल से गिरने की सूचना मिली है पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और छात्रा के बयान के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना का कारण अज्ञात है, हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छात्रा को चक्कर आने के कारण यह हादसा हुआ है

पर्यावरण शिक्षण के अंतर्गत कचरे से कला कार्यक्रम का आयोजन, रीयूज का प्रशिक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में 25 फरवरी 2025 को 'कचरे से कला' कार्यक्रम का आयोजन इको क्लब के तत्वावधान में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पुनः उपयोग (रीयूज) एवं अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को पुराने अनुपयोगी कपड़ों, सिंगल यूज प्लास्टिक एवं रद्दी कागजों का पुनः उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया गया। छात्राओं ने पुराने कपड़ों से कॉलेज बैग, सिंगल यूज प्लास्टिक से अन्य उपयोगी वस्तुएँ तथा रद्दी

कागजों से लिफाफे बनाने की कला सीखी। प्रशिक्षण महाविद्यालय की ही बीएससी तृतीय वर्ष प्राणीशास्त्र की छात्रा कुमारी प्रज्ञा सकेरिया द्वारा दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि एक जोड़ी जींस के निर्माण में 7500 लीटर पानी खर्च होता है और इसके प्रसंस्करण एवं परिवहन के दौरान लगभग 33 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है, जो पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए हमें मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। इको क्लब प्रभारी डॉ. दीपक अहिरवार ने कहा कि यदि पुरानी वस्तुओं का पुनः उपयोग किया जाए तो कचरे को पर्यावरण में जाने से रोककर प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकता है। साथ ही इससे आर्थिक लाभ भी अर्जित किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में डॉ. संगीता पारे, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. प्रगति जोशी, श्रीमती प्रीति मालवीय, श्रीमती प्रीति ठाकुर, रैनी राजपूत, धीरज खातरकर सहित प्राध्यापकगण एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

मेट्रो एंकर जनसुनवाई के दौरान 78 आवेदनों पर हुई सुनवाई

कई प्रकरणों का मौके पर निपटारा किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान सिटी सजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत ने आज 78 आवेदन कर्ताओं की शिकायतों की सुनवाई करते हुए उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में मीनाक्षी चौक नर्मदापुरम निवासी श्रीमती मंजू राजपूत ने आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि वह वृद्ध विधवा महिला ने उनकी मीनाक्षी चौक स्थित दुकान पर किराएदार द्वारा अवैध कब्जा कर दुकान खाली करने के लिए बोले जाने पर गाली गलौंच एवं जान से मारने की धमकी दी जा रही है। सिटी मजिस्ट्रेट रावत द्वारा संबंधित अधिकारी को समस्या का निराकरण करने के लिए निर्देशित किया।

जनसुनवाई में आए महेश शुक्ला आईटीआई नर्मदापुरम स्थित घर की छत एवं दीवार से 450 बोल्ट बिजली केवल लाइन छूकर निकलती है जो की अत्यंत क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं, उसमें अनेकों बार शर्ट सर्किट एवं आगजनी की घटनाएं हो चुकी है, जिससे हमेशा बड़ी दुर्घटना एवं जनहानि की आशंका बनी रहती है। उनके द्वारा बिजली विभाग का आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं आवेदन शीघ्र अतिशीघ्र समस्या का निवारण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। श्री रावत जी बिजली विभाग अधिकारी तत्संबंध में उक्त कार्रवाई करने की निर्देश दिए। ग्राम नगवाडा तहसील माखन नगर की रुक्मणी बाई ने जनसुनवाई के दौरान आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनके पति राधेश्याम का गत माह निधन हो गया था, जिनके नाम पीएम आवास शासन की योजना स्वीकृत है, पति के मृत्यु उपरांत योजनांतर्गत पीएम आवास का लाभ दिलवाया जाऐ। समस्त गिनी कंपाउंड नर्मदा पुरम निवासीयों ने आवेदन प्रस्तुत करते मोहल्ले में चल रहे हैं सीवरेज प्रोजेक्ट के अंतर्गत डाली गई पाइपलाइन से पानी लीकेज होने एवं लीकेज होने के कारण जगह जगह होने रोड पर पानी बहने की शिकायत की गई तत्संबंध में श्री रावत ने संबंधित अधिकारी को उक्त समस्या के लिए आवश्यक कार्यवाही किये जानें के निर्देश दिए। इसी प्रकार नाली चौक होने, अतिक्रमण कर रास्ता रोकने, किसान सम्मान निधि की राशि प्रदान करने, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लाभ प्रदान करने, शासकीय रास्ता/गोहा खुलवाने, अवैध निर्माण कार्य रोकने आदि के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई।

नन्हे मुन्ने बच्चों ने दी नाटकों की प्रस्तुति, शिक्षक हुए सम्मानित

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विगत दिनों स्कूल ऑफ लिटिल फ्लॉवर्स हाईस्कूल ब्रजधाम कॉलोनी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा मंच पर बहुत शानदार ज्ञानवर्धक और नशा मुक्ति सहित कई प्रस्तुतियां नाटकों के माध्यम से दी गई थी। इन्हीं प्रस्तुतियों को लेकर जिन शिक्षकों ने इन बच्चों को इतना अच्छा टैलेंटेड बनाया। और मंच पर साझा करने अच्छी प्रस्तुतियां सिखाई। आज उसी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर समाजसेवियों ने उन शिक्षकों का सम्मान किया। जिसमें

प्रिंसिपल सीमा राठौर ,रितु दांगी , मनाली जैन, आकाश भावसार, मानसी दांगी, चंचल विश्वकर्मा, सुप्रिया साहू, कविता दांगी सहित शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में सत्यनारायण शर्मा, सुरेश तनवानी, नीलेश अग्रवाल, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम से नंदिनी बहिन, विनीत अरोरा, प्रदीप झा सहित स्कूल के संस्थापक बृजेश राठौर उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग की अनदेखी

मदागन में स्कूल की छत गिरी शिक्षक घायल

- शिक्षा विभाग को पूर्व में खबरों के माध्यम से चेताया था
- कई स्कूल खस्ताहाल जाँच की आवश्यकता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को बड़ी दुर्घटना होने से टल गई ग्राम मदागन के प्राथमिक शाला की छत शिक्षक के ऊपर भरभरा कर गिर गई। इसकी चपेट में आने से शिक्षक विष्णु श्रीवास्तव घायल हो गए हैं। गनीमत रहा की स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्रा नहीं थे अगर होते तो बड़ी जनहनि भी हो सकती थी। विकासखंड में अधिकांश जगह भवन बनाने में लापरवाही हुई है ,दूसरी ओर मरम्मत के नाम पर भी खानापूर्ति हो जाती है। इस वजह से अभी कौन जगह बिल्डिंग की हालत खराब हो रही है। वहीं शिक्षक का उपचार चल रहा है इस तरह के हादसों को रोकने के लिए समय रहते प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को विशेष कदम उठाने होंगे नहीं तो किसी दिन बड़ी दुर्घटना भी घटित हो जाएगी उसका जिम्मेदार कौन होगा। वहीं कलेक्टर के सामने भी घटिया बिल्डिंग बनाने की पोल खुल चुकी है। ग्रामीणों ने भवन को गिरवाने की मांग रखी थी इसके बाद कलेक्टर ने जांच करके दोषियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। 15 दिनों से अधिक का समय बीत गया कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हुआ।

स्कूलों में हर साल मरम्मत के लिये राशि आती है पर कहाँ जाती है

ज्ञात हो की स्कूल कंटनजैंसी की राशि हर साल स्कूलों में बच्चों के अनुपात से आती है जिस का इस्तेमाल शिक्षक संघ द्वारा शाला की पुताई, शाला की मरम्मत, और भी शाला के छोटे-छोटे खर्चों के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राशि स्कूलों में आवंटित की जाती है, और अगर स्कूल में मेजर रिपेरिंग हो तो विकासखण्ड शिक्षा समन्वयक द्वारा इसका भी कार्य किया जाता है फिर यह हादसे क्यूँ होते है क्या आवंटित राशि डकार ली जाती है?

अधिकारी स्कूलों में क्यूँ नहीं जाते

अक्सर देखा जा रहा है शिक्षा विभाग के विकासखण्ड एवं जिले के अधिकारी कुर्सी तोड़ते नजर आते है पर स्कूलों में जाकर वहां के हालात नहीं देखते क्या अधिकारियों को ऑफिस में बैठने के लिये रखा गया है?

हिंदी के पेपर से बोर्ड की परीक्षा आरंभ: एसडीएम तहसीलदार ने किया निरीक्षण

50 परीक्षार्थियों ने नहीं दिया एग्जाम, सबसे ज्यादा 33 प्राइवेट अभ्यर्थी रहे गैरहाजिर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मंगलवार से 12 वीं बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई है। हिंदी पेपर होने से परीक्षार्थियों को परीक्षा हल करने में कोई परेशानी नहीं हुई इसके चलते परीक्षा देने के उपरांत केंद्रो से बाहर आए छात्रों चेहरे पर मुस्कान नजर आ रही थी इनके ऊपर परीक्षा को लेकर किसी भी तरह का कोई तनाव नहीं था । सुबह 9 से 12 तक परीक्षा हुई कुल 1844 विद्यार्थियों में से 50 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे 1794 परीक्षा देने बैठे सबसे ज्यादा अनुपस्थित कन्या शाला के केंद्र पर प्राइवेट छात्रों के लिए बनाए गए केंद्र पर 33 छात्र अनुपस्थित रहे वही शांतिपूर्ण तरीके से 11 केंद्रों पर परीक्षा हुई पहला पेपर होने से प्रशासन से लेकर परीक्षार्थी कि मानों में भी कई तरह के सवाल चल रहे थे पर शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा हुई समय से पहले विद्यार्थी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए केदो पर पहुंच गए थे दूसरी ओर सच में शिशु मंदिर के स्टाफ के द्वारा परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों का तिलक लगाकर हौसला बढ़ाया ओर शिक्षक

टीकाराम शाक्य ने विद्यार्थियों से परीक्षा को लेकर कहां की शांत मन से परीक्षा हल करें किसी भी तरह का लोड न ले वही प्रशासन के द्वारा परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके संपन्न करने के लिए विकास खंड में दो टीमें गठित की गई थी जिसमें 1 में नोडल अधिकारी तहसीलदार संजय चैरसिया थे दूसरी टीम में वी ई ओ उमेश सोनी थे। बोर्ड परीक्षा का निरीक्षण करने के लिए एसडीएम हर्षल चैधरी सीएम राइज स्कूल पहुंचे यहां पर शांति रूप से परीक्षा चल रही थी इसी तरह तहसीलदार संजय चैरसिया ने सरस्वती शिशु मंदिर और सीएम राइज केंद्रो का निरीक्षण करके परीक्षा का जायजा लिया इसी तरह वी ई ओ उमेश सोनी,बी आर सी ओम प्रकाश रघुवंशी ने कन्या शाला तथा सीएम राइज के केदो को देखा इन्होंने बताया कि कहीं कोई नकल नहीं हुई शांतिपूर्ण तरीके से सभी जगह परीक्षा संपन्न हुई नकल रोकने के लिए भी विशेष दल बनाए गए थे। जिनके द्वारा लगातार केदो का भ्रमण किया गया वी ई ओ ने बताया कि 12 वीं बोर्ड की परीक्षा में 1844 में से 50 गैरहाजिर कल 1794 शामिल हुए हिंदी

विषय का पेपर होने से विद्यार्थियों को परीक्षा देने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई परीक्षा देने के बाद निकले परीक्षार्थियों ने प्रदेश टुडे को बताया कि हिंदी का पेपर होने से हमें उसको हल करने में कोई परेशानी नहीं हुई कई छात्रा तो समय से पहले ही परीक्षा देकर बाहर निकलने लगे थे। दूसरी ओर एक दिन पहले से परीक्षा को व्यवस्थित रूप से संपन्न करने के लिए तैयारी की जा रही थी थाने से केंद्र प्रभारी पेपर लेकर पहुंचे दूसरी ओर विधार्थी की परीक्षा से पूर्व जांच भी की गई। इसके अलावा पहले दिन परीक्षार्थियों को अपने-अपने रोल नंबर देखने में थोड़ी परेशानी हुई। इसके अलावा कन्या शाला स्कूल के परीक्षा केंद्र पर प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए केंद्र बनाया था इनकी सबसे ज्यादा अनुपस्थित देखने को मिली केवल इसी केंद्र पर 33 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

इनका कहना है

शांतिपुर्वक तरीके से परीक्षा संपन्न हुई कही कोई नकल प्रकरण नहीं बना 50 छात्रा पहले दिन गैरहाजिर रहे।

-वीईओ उमेश सोनी

नेशनल लोक अदालत आठ मार्च को

सिरोंज। विदिशा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय के साथ-साथ तहसील व राजस्व न्यायालयो में आठ मार्च को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में आयोजित नेशनल लोक अदालत में अभी तक न्यायालयो में लंबित समझौता योग्य लगभग 1968 प्रकरण तथा प्रीलिटिगेशन के 11196 प्रकरण निराकरण हेतु चिन्हांकित किए गए है। न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, धारा 138 एनआई एक्ट, पारिवारिक मामले, समझौता योग्य आपराधिक व सिविल और अन्य मामलो को निराकरण हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री तोमर ने बताया कि नेशनल लोक अदालत के संबंध में पक्षकारगणो को सूचना पत्र के माध्यम से व विधिक जागरूकता शिविरो के माध्यम से आयोजन की सूचनाएं सम्प्रेषण की गई है। लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणो का निराकरण हो सकें इसलिए न्यायालयो द्वारा विशेषकर मोटर दुर्घटना एवं चेक बाउंस के लंबित प्रकरणो में प्रीसिटिंग की गई है। प्रकरणो के निराकरण हेतु अधिवक्ता संघ एवं अधिवक्तागण द्वारा अपना मूल सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

अपहरण बलात्कार के आरोपियों को अदालत ने किया बरी

सिरोंज। अपहरण तथा बलात्कार के मामले में पांच आरोपियों को न्यायालय सत्र न्यायाधीश विजय पांडे आरोप साबित नहीं होने पर दोष मुक्त कर दिया है। जानकारी के अनुसार बालिग पीड़िता की मां ने थाना सिरोंज में 18.11.2020 को अपनी पुत्री के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी इसमें लड़की की मां ने बताया था कि उसकी लड़की कन्या शाला सिरोंज का कहकर घर से कहीं चली गई है। उसे शंका है कि महेंद्र उसकी लड़की को भाग कर ले गया है 3 फरवरी 2021 को पीड़िता को पुलिस थाना द्वारा बरामद किया गया एवं अपराध क्रमांक 63 वर्ष 2021 धारा 366,368 भाग 2 एन एवं 506,365 का अपराध दर्ज किया गया । पीड़ित अनुसार आरोपी गोलू उर्फ महेंद्र निवासी उज्जैन द्वारा उसके साथ बलात्कार किया गया था।

महाशिवरात्रि को लेकर देवपुर पहुंचे एसडीएम कुंड और मेला स्थल की सफाई कराने के दिए निर्देश, बनेगा कंट्रोल रूम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

महाशिवरात्रि का पर्व आज नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा नगर के श्री जटाशंकर महादेव मंदिर, श्री नीलकंठ महादेव मंदिर सहित अन्य मंदिरों पर विशेष तैयारी हो रही है शिव जी की बारात भी निकलेगी इसके चलते चार दिवसीय कार्यक्रम यहां पर हो रहा है।

नगर से 12 किलोमीटर की दूरी विराजमान बाबा विश्वनाथ स्वामी के धाम देवपुर में हजारों की संख्या में से श्रद्धालु गण भगवान का जलाभिषेक पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचेंगे जिसकी तैयारियां का जायजा लेने के लिए एसडीएम हर्षल चैधरी मंगलवार को देवपुर पहुंचे यहां पर उन्होंने पवित्र कुंड की सफाई के साथ पुताई का कार्य नहीं

होने पर पंचायत से तत्काल पुताई करवाने का निर्देश दिया इसके अलावा उन्होंने श्रद्धालुओं को दर्शन करने के लिए किसी भी तरह की परेशानी ना हो यहां पर आने वाले भक्तों की सुविधा का विशेष ध्यान रखाने निर्देश देते हुए कहा कि कंट्रोल रूम भी इस बार बनाया जाए जिसमें पुलिस-प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर तैनात रहेंगे ट्रैफिक को लेकर किसी भी तरह की स्थिति ना बिगड़े दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक को डाइवर्ट करने के लिए समय से पहले बेरीकेटिंग करवा दी जाए थाना प्रभारी को ट्रैफिक की समस्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए इसके अलावा मेला क्षेत्र की विशेष रूप से साफ सफाई के संबंध में भी दिशा निर्देश देकर मंदिर समिति के सदस्यों से भी व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा करके जरूरी दिशा निर्देश अधीनस्थ अमले को दिए इसी तरह महाशिवरात्रि पर श्री नागेश्वर महादेव मंदिर से भगवान शिव जी की बारात निकलेगी इसके अलावा सभी शिव मंदिरों में महाभिषेक ,अभिषेक के अलावा विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे भगवान को प्रसन्न करने के लिए भक्त सभी जतन करेंगे मंदिरों पर तैयारी का दौर जारी है।

कस्टोडियान भूमि की सात दिवस में एसडीएम ने तहसीलदार से मांगी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विकासखंड में बड़े पैमाने पर पाकिस्तान चले गए लोगों के नाम से अंकित भूमि जो की कस्टूडियान के नाम से जानी जाती उक्त भूमि को कई भूमि माफियाओं फर्जी तरीके से मालिक बनकर या बनवाकर अपने कब्जे में करके फर्जी तरीके से बेचने का कार्य कर रहे हैं। कुछ नंबरों पर तो कॉलोनी आकर ले चुकी यहां पर इन फर्जीवाड़ा करने वालों ने प्लांट बेचकर करोड़ रुपए कमा लिए हैं इनको किसी का कोई डर नहीं है। तभी तो जो लोग बंटवारे क बाद पाकिस्तान चले गए हैं। उनके के नाम के फर्जी दस्तावेज तैयार हो रहे हैं इस जमीन के नाम पर गोलमाल कर रहे हैं। जिसकी खबर हमारे संवाददाता ने मंगलवार के अंक में प्रकाशित करके अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया भूमि माफिया किस तरीके से फर्जी हिवा से नामांतरण तैयार करके कस्टूडियान की भूमि के नाम पर बड़े खेल को अंजाम दे रहे है। वहीं गड़बड़ी करने वालों पर बड़ी कर्रवाई की तैयारी भी शासन के निर्देश पर प्रारंभ हो गई है। एसडीएम को वरिष्ठ कार्यालय से कस्टूडियान की जमीन की जांच करके रिपोर्ट देने के आदेश जारी हुए हैं। इसके उपरांत एसडीएम हर्षल चैधरी ने शहर में जितने भी सर्वे नंबर कस्टूडियान के नाम से दर्ज है ,उन सभी सर्वे नंबरों की जांच करके तहसीलदार संजय

खबर का असर

चैरसिया से सात दिवस में रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया है । इसके बाद कस्टूडियान की भूमि के नाम पर गोलमाल करने वालों नाम सामने आ सकते हैं । इसके लिए जिम्मेदारियां को निष्पक्ष रूप से जांच करनी होगी तभी सच्चाई सामने आएगी तथा बड़े फर्जी वाले से पर्दाफाश हो सकता है। नगर में बड़ी मात्रा में हैवनामा के माध्यम से इस काम को गुपचुप तरीके से अंजाम दिया गया है ।क्योंकि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र होने से कई सालों से इस खेल को अंदर ही अंदर अंजाम दिया गया है।

इनका कहना है

कस्टूडियान की भूमि की जांच के संबंध में वरिष्ठ कार्यालय से जहां हेतु पत्र प्राप्त हुए, हमने तहसीलदार से 7 दिवस में रिपोर्ट मांगी है। उसके बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

-हर्षल चैधरी एसडीएम

चना, मसूर एवं सरसों उपार्जन पंजीयन 10 मार्च तक

सिरोंज। विदिशा रबी उपार्जन वर्ष 2024-25 विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर चना 5650 रू. प्रति क्विंटल, मसूर 6700 रू. प्रति क्विंटल एवं सरसों 5950 रू. प्रति क्विंटल उपार्जन के लिये किसान पंजीयन 10 मार्च 2025 तक किये जाएंगें। किसान भाइयों से अपील की गई है कि वह पंजीयन की निशुल्क की व्यवस्था जैसे स्वंय के मोबाईल एमपी किसान एप के माध्यम से, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर एवं पूर्व वर्ष की भांति सहकारी समितियों द्वारा सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं विपणन सहकारी संस्था स्तर पर स्थापित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी) संचालित 130 पंजीयन केन्द्रों पर किये जा रहे है। पंजीयन की सशुल्क 50 रूपये के साथ जैसे एमपी ऑनलाईन, कियोस्क, लोकसेवा केन्द्रों एवं कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क पर, निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर भी के साथ कराये जा सकते हैं। कृषक भाई अपनी उपज का पंजीयन कराने से पहले आधार नंबर से बैंक खाता एवं मोबाईल नंबर को लिंक आवश्यक रूप से करा लें। अधिक जानकारी हेतु कंट्रोल रूम दूरभाष क्रमांक 07592-233153 पर संपर्क किया जा सकेगा।

पुलिस अधीक्षक ने की नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने थाना गंजबासौदा में दर्ज अपराध के फरार आरोपी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए दो हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है। थाना गंजबासौदा शहर में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 05/2025 का फरार आरोपी राजकुमार पुत्र लल्ला अहिरवार उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम समदपुर थाना बासौदा शहर की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए दो हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

मेट्रो एंकर | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2025 के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

300 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर थीम आधारित पोस्टर बनाए

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के अमर वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय, तेंदूखेड़ा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2025 के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बैनर तले आज महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के लगभग 300 विद्यार्थियों नें सहभागिता की। विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न विषयों पर पोस्टर बनाए गए, जिनका मूल्यांकन महाविद्यालय के आज के प्रभारी प्राचार्य श्री सुरेश डोडवे, एवं

मूल्यांकन समिति के संयोजक श्री मेघसिंह वर्मा, एवं सदस्य डॉ संध्या स्थापक, श्री मति रिचा लोधी और डॉ रश्मि मिश्रा एवं श्री परवेन्द्र चक्रवर्ती द्वारा किया गया।

यह कार्यक्रम नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पारिषद, भोपाल के द्वारा उत्प्रेरित तथा प्रायोजित किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष विज्ञान दिवस के लिए विकासशील भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना थीम निर्धारित की गई है।

कार्यक्रम के आयोजन में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री शंकर सिंह ठाकुर, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ अरुणेन्द्र कुमार पटेल, आयोजन सचिव डॉ मनीषा कुमारीया, कंप्यूटर ऑपरेटर श्री हरिशंकर चक्रवर्ती, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री हुक्म प्रसाद अहिरवार, श्री मनीष बेन एवं श्री आकाश सिंह का विशेष योगदान रहा।

चैंपियंस ट्रॉफी : लाहौर में आज इंग्लैंड-अफगानिस्तान भिड़ेंगे

दोनों टीमें पहला मैच हारीं; इंग्लिश ऑलराउंडर कार्स टूर्नामेंट से बाहर

लाहौर. एजेंसी

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आठवां मैच आज इंग्लैंड और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा। मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में शुरू होगा। दोनों टीमें चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार भिड़ेंगी। इंग्लैंड और अफगानिस्तान इस चैंपियंस ट्रॉफी में अपना-अपना पहला मैच हार गई थीं। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट से, तो अफगानिस्तान को साउथ अफ्रीका ने 107 रन से हराया था। दोनों टीमों को पहले खिताब की तलाश है।

हेड टु हेड में इंग्लैंड आगे दोनों टीमें वनडे में ओवरऑल 3 बार भिड़ी हैं। तीनों ही मुकाबले वर्ल्ड कप के दौरान खेले गए हैं। इसमें इंग्लैंड ने 2015 और 2019 के मैच जीते। वहीं, अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को 2023 वर्ल्ड कप में 69 रन से हराया था। कार्स टूर्नामेंट से बाहर इंग्लैंड के ऑलराउंडर ब्रायडन कार्स पैर की उंगली में चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए है। उनकी जगह 20 साल के रेहान अहमद को टीम में मौका मिला है। कार्स दाएं हाथ के बल्लेबाज और तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने इस चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के

खिलाफ टीम के पहले मैच में 8 रन बनाने के अलावा 69 रन देकर एक विकेट लिया था।

डकेट ने पिछले मैच में शतक लगाया था इंग्लैंड के लिए इस साल बेन डकेट ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम 4 मैचों में 296 रन हैं। डकेट ने पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक (165) लगाया था। हालांकि, अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके थे।

स्पिनर आदिल रशीद ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनके नाम 4 मैचों में 8 हैं। उन्हें पिछले मैच में एक विकेट मिला था। रहमत शाह टीम के टॉप स्कोरर रहमत शाह अफगानिस्तान के इस साल के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने पिछले मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 90 रन बनाए थे, लेकिन ये रन टीम की जीत के लिए काफी नहीं थे। टीम के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद नबी टॉप विकेट टेकर हैं। नबी ने पिछले मैच में 2 विकेट लिए थे।

पिच रिपोर्ट गद्दाफी स्टेडियम में ज्यादातर हाई स्कोरिंग मैच खेले गए हैं। यहां की पिच बैटिंग-फ्रेंडली होती है और यही वजह है कि यहां बड़े स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिलते हैं। यहां अब तक 70 वनडे खेले गए हैं। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 35 और पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने 33 मैच जीते हैं। वहीं, एक मैच का नतीजा नहीं निकल सका। एक मैच टाई भी हुआ है। यहां का हाईएस्ट स्कोर 375/3 है, जो पाकिस्तान ने 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया था। गद्दाफी स्टेडियम का हाईएस्ट रन चेज 349/4 है, जो पाकिस्तान ने 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था। वेदर रिपोर्ट बुधवार को इंग्लैंड-अफगानिस्तान मुकाबले के दौरान लाहौर का मौसम अच्छा रहेगा।

चोट के कारण दो माह तक रहीं बाहर

शारीरिक ही नहीं मानसिक रूप से भी फिट होना जरूरी था: शिफरिन

सेस्ट्रियरे (इटली). एजेंसी

पिछले साल नवंबर में जाएंट स्लालोम रेस के दौरान हुई दुर्घटना में गंभीर घायल हुईं अमरीका की स्कीइंग खिलाड़ी मिकेला शिफरिन ने अल्पाइन स्कीइंग विश्व कप में 100वीं जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है। शिफरिन ने तीन महीने पहले तक यह नहीं सोचा था कि वे दोबारा स्कीइंग भी कर पाएंगी या नहीं। घरेलू दर्शकों के सामने वे रेस करते समय फिसल गई थीं, जिससे उनके पेट में चोट आई थी। शिफरिन को सर्जरी तक करानी पड़ी थी। लेकिन शिफरिन ने हिम्मत नहीं हारी।

शिफरिन ने ऐतिहासिक उपलिब्ध के बाद कहा, चोट से उबरने के बाद मेरे लिए शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी फिट होना जरूरी था। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, मैंने कभी भी इस मील के पत्थर तक पहुंचने का सपना नहीं देखा था। उन्होंने कहा, यहां तक पहुंचने में बहुत समय लगता है, जिसके लिए काफी त्याग करने पड़ते हैं। 100वीं जीत दर्ज करने के लिए शिफरिन ने क्रोएशिया की ज़िंका लुजटिक को 0.61 सेकंड से पीछे छोड़ा।

0.61 सेकंड से क्रोएशिया की ज़िंका लुटिक को पीछे छोड़ा : सबसे सफल अल्पाइन स्कीयर बनीं इटली के सेस्ट्रियरे में आयोजित अल्पाइन स्की महिला विश्व कप में सलालोम रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए शिफरिन ने शीर्ष स्थान हासिल किया। यह उनकी विश्व कप में 100वीं जीत थी। इसके साथ ही शिफरिन इस स्पर्धा में विश्व कप में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। अब तक कोई पुरुष खिलाड़ी तक यह कमाल नहीं कर पाया है।

मेट्रो बाजार

चार्जिंग इंफ्रा में निवेश पर भी मिलेगी शुल्क में छूट! प्लांट भी लगाना होगा

नईदिल्ली. एजेंसी

सरकार की ईवी पॉलिसी के तहत, कंपनियों को तीन साल के भीतर भारत में अपना मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाना होगा। इसके अलावा, ऑपरेशन शुरू करने के पांच साल के अंदर 50 फीसदी लोकलाइजेशन (स्थानीय उत्पादन) हासिल करना जरूरी होगा। इसके अलावा, भारत में आयात किए जाने वाले ईवी की संख्या पर भी सीमा तय की गई थी। इसके बदले में सरकार ने ईवी निर्माताओं के लिए 5 वर्ष

तक आयात शुल्क को घटाकर 15 फीसदी करने पर सहमति दी थी। केंद्र सरकार अपनी ईवी पॉलिसी में बदलाव करने की तैयारी में है। सरकार ग्लोबल कंपनियों को आसानी से निवेश पात्रता मानदंडों को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क बनाने में किए गए निवेश को भी शामिल करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। अभी विदेशी कंपनियों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए तीन साल में 50 करोड़ डॉलर का निवेश करना जरूरी है। इसके बदले में उन्हें देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात पर रियायती कस्टम ड्यूटी का लाभ मिलेगा। मार्च 2024 में घोषित इस पॉलिसी को टेस्ला को आकर्षित करने की कोशिश के रूप में देखा गया था। हालांकि विनफास्ट, बीएमडब्ल्यू और लैंड जेगुआर ने भी इसमें रुचि दिखाई थी। अब सरकार ने फिर से ऑटोमोबाइल कंपनियों से चर्चा शुरू की है, ताकि ग्लोबल कंपनियों को मेक इन इंडिया और निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उद्योग जगत से चर्चा के बाद सरकार निवेश नियमों में ढील देने पर विचार कर रही है।

यूपीआई से निकाल सकेंगे ईपीएफओ का पैसा

नई दिल्ली. एजेंसी

पीएफ खाते से पैसा निकालने के लिए अब ज्यादा माथापच्ची नहीं करनी पड़ेगी। ईपीएफओ सब्सक्राइबर अगले 2 से 3 महीने में यूपीआइ के जरिए पीएफ का पैसा निकाल सकते हैं। सरकार एक ऐसी व्यवस्था बनाने पर काम कर रही है जिससे ईपीएफ क्लेम को यूपीआइ प्लेटफॉर्म्स के जरिए प्रोसेस किया जा सके। इससे आसानी से फंड को ट्रांसफर किया जा सकता है। ईपीएफ के यूपीआइ के साथ इंटिग्रेट होने से सब्सक्राइबर्स एक डिजिटल वॉलेट के जरिए अपने पीएफ अकाउंट से पैसे निकाल सकते हैं। अगले कुछ दिनों में बीमा प्रीमियम के भुगतान से लेकर ईपीएफओ निकासी, यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू होने के साथ शेयर बाजार में ट्रेडिंग और म्यूचुअल फंड के एनएफओ सहित कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। इरडा ने जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के लिए प्रीमियम भुगतान को आसान बनाने के लिए वन-टाइम यूपीआइ मैंडेट (एबीएसए) की सुविधा देने की अनुमति दी है। नई व्यवस्था के तहत बीमाधारक अपने बैंक खाते में बीमा प्रीमियम की राशि को पहले से ब्लॉक कर सकेंगे और बीमा पॉलिसी जारी होने के बाद ही यह राशि डेबिट की जाएगी। यदि पॉलिसी अस्वीकृत होती है तो पैसा अनब्लॉक हो जाएगा। यूपीएस स्कीम-केंद्र सरकार ने 1 अप्रेल 2025 से यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू करेगी। एक बार कर्मचारी यूपीएस का ऑप्शन चुन लेंगे है, तोएनपीएस में वापस नहीं जा सकेंगे। केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारें भी अपने कर्मचारियों के लिए यह लागू कर सकती हैं।

महिला प्रीमियर लीग टी-20 : मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु को दी मात

सीजन के पहले सुपर ओवर में यूपी टीम जीती

बेंगलूरु. एजेंसी

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की टीम को महिला प्रीमियर लीग टी-20 में यूपी वारियर्ज के खिलाफ सुपर ओवर में चार रन से मात मिली। यह इस सीजन का पहला सुपर ओवर रहा। इस सुपर ओवर में यूपी की टीम ने एक विकेट पर आठ रन बनाए थे। आरसीबी की टीम को नौ रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन कप्तान स्मृति मंधाना और रिचा घोष की जोड़ी चार रन ही बना सकी और टीम हार गई। इससे पहले, मैच में आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 180 रन बनाए थे। जवाब में यूपी की टीम 20 ओवर में 180 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

गोलकीपर सविता के 300वें मैच में भारतीय महिलाएं हारीं

300वां मैच खेलने पर सविता को खास जर्सी देकर सम्मानित किया

भुवनेश्वर. एजेंसी

गोलकीपर सविता पूनिया ने सोमवार को भारत के लिए अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। हालांकि एफआइएच प्रो लीग के इस मैच में भारतीय टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, एफआइएच प्रो लीग के पुरुष वर्ग में भी भारतीय टीम को शिकस्त मिली। इस मैच में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को कड़े संघर्ष में 3-2 से मात दी।

पुर्तगाल ने लगाई जीत की हैट्रिक, कप्तान रोनाल्डो चमके

वारसॉ. एजेंसी

कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए यहां खेले गए नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में डेनमार्क को 3-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट में यह पुर्तगाल की लगातार तीसरी जीत है और वह ग्रुप-1 में शीर्ष पर है। पुर्तगाल के लिए इस मैच में कप्तान रोनाल्डो ने 37वें मिनट में गोल दागा। इस टूर्नामेंट में रोनाल्डो का तीन मैचों में यह कुल तीसरा गोल है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके गोल की संख्या 906 हो गई है। इसमें 133 गोल उन्होंने पुर्तगाल के लिए किए हैं। पुर्तगाल के लिए हालांकि पहला गोले 26वें मिनट में बर्नांडो सिल्वा ने दागा।

दरियादिली... डेनमार्क के खिलाफ मैच के दौरान एक युवा प्रशंसक रोनाल्डो से मिलने के लिए मैदान के अंदर घुस गया। सुरक्षाकर्मी जब उस प्रशंसक को पकड़ने के लिए आए तो रोनाल्डो ने उन्हें रोक दिया। उन्होंने इसके बाद उस युवा प्रशंसक के साथ सेल्फी ली और उसके बाद सुरक्षाकर्मी उसे लेकर मैदान से बाहर ले आए।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

बेटी आराध्या को लेकर ऐश्वर्या राय बोलीं- *वो मेरी दुनिया हैं...*

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन अक्सर अपनी बेटी आराध्या के साथ नजर आती हैं। ऐश्वर्या अपनी बेटी पर जान छिड़कती हैं। ऐश्वर्या को अक्सर उनकी बेटी आराध्या बच्चन के साथ स्पॉट किया जाता है। ऐश्वर्या अपनी बेटी के बेहद करीब हैं। ऐश्वर्या इन सभी जगहों पर लगभग हमेशा अपनी बेटी के साथ दिखाई पड़ती हैं। दोनों एक साथ एक दूसरे का हाथ पकड़े चलती नजर आती हैं। बेटी आराध्या को लेकर ऐश्वर्या ने कहा कि वह अपनी बेटी को लेकर काफी ज्यादा सोचती हैं। ऐश्वर्या ने कहा, आराध्या ही मेरे लिए सब कुछ हैं। वो ठीक हैं, तो मैं ठीक हूं। ये दुनिया खुशियों से भरी है। वह मेरी दुनिया है और मैं इससे काफी खुश रहती हूं। खुश होते हुए ऐश्वर्या ने कहा, आराध्या, आराध्या, आराध्या। हाल ही में ऐश्वर्या राय बच्चन और आराध्या दुबई के अवॉर्ड शो में नजर आई थीं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस अवॉर्ड शो में मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन में अपनी भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी आराध्या काफी चर्चा में रही थीं। उन्होंने शिव राज कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था, ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद प्रशंसकों ने आराध्या के संस्कारों और परवरिश की तारीफ की। एक बातचीत के दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान ऐश्वर्या से जब कहा गया कि वह सबसे अच्छी बातें सीख रही हैं, क्योंकि वो हमेशा आपके साथ रहती हैं। ऐश्वर्या ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, वो मेरी बेटी है, मेरे साथ ही रहेगी।

'गजनी 2' का एलान करेंगे आमिर खान! सुपरहीरो फिल्म भी करेंगे

भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक आमिर खान बॉक्स ऑफिस पर लगातार हिट फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। फिलहाल अभिनेता 2025 में रिलीज होने वाली अपनी आगामी फिल्म सितारे जमीन पर की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा वह अपनी भविष्य की परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए कई फिल्म निर्माताओं के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। इन चर्चाओं के बीच उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक 'गजनी' की सीक्वल 'गजनी 2' को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट जानकर मिस्टर परफेक्शनिस्ट के प्रशंसकों का खुश होना लाजमी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान फिलहाल निर्माता अल्लू अरविंद के साथ 'गजनी' को फ्रेंचाइजी में बदलने के बारे में चर्चा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अल्लू अरविंद, मधु मंटेना और पूरी टीम को गजनी 2 के लिए एक योग्य विषय के साथ आने के लिए कहा है। अगर यह तय हो जाता है तो वह भारतीय सिनेमा की पहली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की सीक्वल बनाकर इतिहास रच सकते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, टीम सक्रिय रूप से विचारों पर मंथन कर रही है और आमिर पहले ड्राफ्ट का इंतजार कर रहे हैं। आमिर खान वर्तमान में अपनी अगली फिल्म सितारे जमीन पर में व्यस्त हैं और 2025 में अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर सकते हैं। कथित तौर पर सुपरस्टार एक सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जिस विचार ने उन दोनों को उत्साहित किया है वह एक सुपरहीरो फिल्म है और लोकेश अब अपने लेखकों की टीम के साथ इसे विकसित करना चाह रहे हैं। खबरें हैं कि अगर आमिर खान स्क्रिप्ट को मंजूरी दे देते हैं, तो सुपरहीरो फिल्म का निर्माण 2026 में शुरू हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह विचार फिलहाल विकास के चरण में है और लोकेश को भी आमिर के साथ चीजों को अगले स्तर पर ले जाने का दायित्व सौंपा गया है।

'परम सुंदरी' में नजर आएगी सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की जोड़ी

मैडॉक फिल्म्स के निर्माता दिनेश विजन ने कथित तौर पर एक फिल्म के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर को अपने साथ जोड़ा है। उनका इरादा फिल्म निर्माता तुषार जलोटा को फिल्म के निर्देशक के रूप में लेकर एक गंभीर थ्रिलर बनाने का था। नवीनतम विकास यह है कि विजान ने स्पष्ट रूप से नए बदलाव किए हैं और एक नई फिल्म की स्थापना की है। उसी निर्देशक और स्टारकास्ट के साथ एक नई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बनाई जाएगी। सिद्धार्थ और जान्हवी की फिल्म का अस्थायी नाम 'परम सुंदरी' रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तुषार जलोटा मैडॉक फिल्म्स के तहत सिद्धार्थ और जान्हवी की फिल्म का निर्देशन करेंगे। विजान द्वारा एक नई फिल्म के साथ आगे बढ़ने का मुख्य कारण यह था कि उन्हें और सिद्धार्थ को एहसास हुआ कि स्क्रिप्ट में बॉक्स ऑफिस पर सीमित संभावनाएं थीं।

जानकारी के अनुसार तुषार के साथ अन्य कहानी के विचारों की खोज शुरू कर दी। कई योजनाओं पर विचार करने के बाद, उन्होंने एक रोमांटिक कॉमेडी पर विचार किया, जो जान्हवी को भी पसंद आई और वे तुरंत इसमें शामिल हो गईं। यह एक नई स्क्रिप्ट के साथ वही टीम है। हालांकि, इन रिपोर्ट्स की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। 'परम सुंदरी' के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी नहीं है। हालांकि, फिल्म पारिवारिक-केंद्रित रोमांटिक-कॉमेडी के दायरे में आ सकती है। इसमें सिद्धार्थ और जान्हवी शानदार केमिस्ट्री दिखाएंगे। जबकि फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन में है, यह नवंबर या दिसंबर में फ्लोर पर जाएगी।

9 साल पहले गायब हुई थी नाबालिग, 2 बच्चों के साथ मिली

भोपाल। बैरसिया पुलिस ने 9 साल पहले घर से बगैर बताए लापता हुई एक नाबालिग को 2 बच्चों के साथ दस्तयाब कर लिया है। नाबालिग का अपहरण करने वाले आरोपी युवक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। थाना प्रभारी अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि बैरसिया इलाके में रहने वाली 16 साल की नाबालिग लड़की 9 साल पहले घर से बगैर बताए लापता हो गई थी। परिजनों ने उसके अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, जिसके बाद तलाश की जा रही थी। एसपी देहात प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर गुम बालक-बालिकाओं की तलाश के लिए आपरेशन मुस्कान चलाया जा रहा है। उक्त नाबालिग के अपहर्ता पर 2 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। इसी दौरान सूचना मिली कि अगस्त 2016 में लापता हुई नाबालिग इन दिनों विदिशा जिले में रह रही है। सूचना के बाद पुलिस की एक विशेष टीम भेजी गई, जिसने उक्त नाबालिग को दस्तयाब कर लिया। अपहृत नाबालिग अब 26 साल की हो चुकी है और उसके दो बच्चे भी हैं। उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने और पत्नी बनाकर रखने वाले आरोपी युवक हीरालाल अहिरवार के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अपहृता को बरामद करने में टीआई शर्मा के साथ ही एसआई प्रियांशी कौरव, हेड कांस्टेबल खेमेन्द्रसिंह, हेमराज सिंह, आरक्षक रामसेवक, महिला आरक्षक शीला दांगी, हेड कांस्टेबल मुस्ताक अहमद और योगेश मिश्रा सायबर सेल देहात भोपाल का विशेष योगदान रहा।

डंपर की टक्कर से कार हुई क्षतिग्रस्त

भोपाल। निशातपुरा इलाके में एक तेज रफ्तार डंपर ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई, लेकिन

कार को नुकसान पहुंचा है। डंपर चालक ने जब कार नहीं सुधरवाई को ड्रायवर ने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार धनवीर सिंह राजपूत (35) ग्राम सेमरी थाना बैरसिया का रहने वाला है और ड्रायवरी करता है। बीती बीस फरवरी की सुबह वह अपने सेठ की कार लेकर जनता नगर से अयोध्या नगर की तरफ जा रहा था। भोपाल मेमोरियल अस्पताल के सामने एक तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से कार में टक्कर मार दी। धनवरी ने डंपर चालक को रोक लिया और उसके सुपरवाइजर ने कार ठीक कराने की बात कही थी। कई दिनों बाद भी जब सुपरवाइजर ने कार नहीं ठीक करवाई तो चालक ने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

कार की टक्कर से चालक समेत दो घायल

भोपाल। कोहेफिजा इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने आगे जा रही कार को टक्कर मार दी, जिससे चालक और उसके दोस्त को चोट आई है। पुलिस के मुताबिक जय धामनोदिया (24)

धानमंडी जिला मंदसौर का रहने वाला है। बीती रात करीब डेढ़ बजे वह अपनी कार से लालघाटी से एयरपोर्ट रोड की तरफ जा रहा था। कार में उसके तीन अन्य दोस्त भी बैठे हुए थे। जय कार लेकर स्पंदन अस्पताल के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने उसकी कार में टक्कर मार दी। इस हादसे में जय को आंख के पास और दोस्त राजवर्धन सिंह को गर्दन और कंधे पर गंभीर चोट आई। पीछे बैठे अन्य दोनों दोस्त बच गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मायके लौटने पर आरोपी ने बनाया हवस का शिकार, गिरफ्तार

स्कूल फ्रेंड ने शादीशुदा युवती से किया दुष्कर्म, पति को कॉल कर झगड़ा कराया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा पुलिस ने 23 साल की शादीशुदा युवती की शिकायत पर स्कूल के दोस्त के खिलाफ बलात्कार समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

आरोपी ने युवती के पति को कॉल कर दोनों के बीच झगड़ा करा दिया और जब युवती सागर से अपने मायके लौट आई तो उसने फरवरी माह में तीन अलग-अलग दिनों में धमकी देकर युवती से दुष्कर्म किया। आरोपी ड्रग एडिक्ट बताया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक करोंद इलाके में रहने वाली 23 साल की युवती ने तीन साल पहले प्रेम-विवाह किया था और सागर चली गई थी। करीब एक साल पहले उसके स्कूल के दोस्त अजय लोधी ने युवती के पति को कॉल कर बताया कि युवती से उसका रिलेशन स्कूल के समय से है। वह उससे प्रेम करता है।

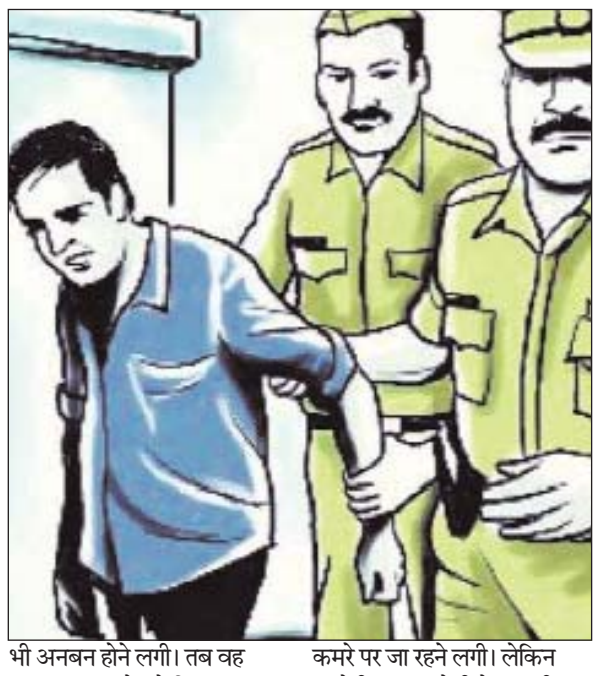

इस बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। विवाद के बाद युवती भोपाल लौट आई और अपने मायके में रहने लगी। कुछ समय बाद उसकी माता-पिता से

भी अनबन होने लगी। तब वह कृषक नगर करोंद में किराए का अलग कमरा लेकर रहने लगी। यह बात जब अजय लोधी को पता चली तो वह 8 फरवरी की रात युवती के कमरे पर जा पहुंचा और डरा-धमकाकर जबरन युवती से दुष्कर्म किया। मारे डर के युवती आरोपी से बचने अपनी सहेली के कमरे पर जा रहने लगी। लेकिन आरोपी अजय लोधी ने वहां भी उसका पीछा नहीं छोड़ा। विगत 12 फरवरी और फिर 21 फरवरी को जब युवती की सहेली काम पर गई थी, उसी दौरान मौका पाकर आरोपी अजय उसके कमरे में घुस गया और युवती से दुष्कर्म किया। तंग आकर पीड़िता ने घटना की शिकायत निशातपुरा थाने जाकर पुलिस से कर दी। पुलिस ने घर में घुसकर बलात्कार समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी अजय लोधी (20) को गिरफ्तार कर लिया है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर कटप्पा ने चाकू से किया हमला

भोपाल। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित मप्र राज्य सहकारी संघ के पीछे जूता मार्केट के पास मंगलवार दोपहर अरेरा हिल्स के बदमाश कटप्पा ने जूते खरीदने आए युवक पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपी शराब पीने के लिए 500 रुपए की अड़ी डाल रहा था। इनकार करने पर उसने चाकू से हमला कर दिया। युवक की आंख के ऊपर चोट आई है। आरोपी के खिलाफ अड़ीबाजी, चाकूबाजी व आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चाकू बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक फेस टू, शांति नगर हबीबगंज निवासी आकाश पाटिल (23) के भाई की मंगलवार 25 फरवरी को शादी थी। जूता खरीदने गए युवक पर 500 रुपए की डाल रहा था अड़ी भाई की शादी की तैयारी के लिए वह अपने जूते खरीदने टीटी नगर स्थित मप्र राज्य सहकारी संघ के पीछे जूता मार्केट गया था। उसके साथ दो अन्य युवक भी थे। दोपहर करीब एक बजे वह जूता खरीदने लौटने लगा तभी अरेरा हिल्स के बदमाश तनिश खान उर्फ कटप्पा ने उसे रोक लिया और शराब पीने के लिए 500 रुपए की डिमांड करने लगा। आकाश पाटिल ने रुपए देने से इनकार कर दिया। तब आरोपी ने अपनी जेब से चाकू निकालकर हमला कर दिया। चाकू का वार बचाने के प्रयास में दोनों के बीच झूमाझटकी हो गई। इस बीच चाकू आकाश का दाहिनी आंख के ऊपर भौंह पर लग गया। वह लहूलुहान हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी कटप्पा उर्फ तनिश को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चाकू बरामद किया गया है।

आर्थिक तंगी और परिवार की चिंता से परेशान युवक ने लगाई फांसी

परिवार का गुजारा करने कम वेतन पर बेकरी में कर रहा था नौकरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र के ज्योति नगर इलाके में सिलवानी के एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह यहां एक बेकरी में काम कर रहा था। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से तनाव में रहता था। उसका वेतन भी बहुत कम था। अनुमान लगाया जा रहा है कि परिवार की चिंता और आर्थिक तंगी के चलते ही युवक ने आत्मघाती कदम उठाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से देवरी सिलवानी जिला रायसेन निवासी रोहित मेहरा पुत्र नारायण (21) यहां ज्योति नगर में किराए के मकान में रहता था। वह एचबीटी बेकरी में काम करता था। उसी

इलाके में रोहित के रिश्ते के भाई भी रहते थे और बेकरी में साथ काम करते थे। सोमवार रात बेकरी से लौटने के बाद उसने भाइयों के साथ खाना खाया और अपने कमरे पर चला गया। बेकरी की चाबी रोहित के पास ही रहती थी। अगले दिन जब बेकरी के एक कर्मचारी ने चाबी के लिए उसे कॉल किया तो उसने रिसीव नहीं किया। घर जाकर उसको आवाज लगाई तब भी भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। खिडक़ी से झांककर देखने पर रोहित फांसी के फंदे पर लटका दिखा। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उनकी अर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इस कारण रोहित तनाव में रहता था। उसका वेतन भी बहुत कम था। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसी वजह से उसने आत्महत्या की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद परिजनों के विस्तृत बयान दर्ज किए जाएंगे।

दिव्यांग है बड़ा भाई

रोहित के चाचा हीरालाल भी घर के पास रहते हैं। उन्होंने बताया कि रोहित के पिता नारायण मेहरा मजदूरी करते हैं। रोहित का बड़ा भाई दिव्यांग है और घर में ही रहता है। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। रोहित पर परिवार की जिम्मेदारी थी। इस बात को लेकर वहां परेशान रहता था। पुलिस ने एम्स में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था। वे शव लेकर अपने गांव चले गए।

नहाने के बाद बुजुर्ग की संदिग्ध मौत, अचानक जमीन पर गिरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र के बांसखेड़ी इलाके में 60 साल के बुर्जुग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह नहाने के बाद बाथरूम से बाहर निकले थे। अचानक गिर गए और उल्टियां होने लगीं। बेहोशी की हालत में पड़ोसी उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई थी। मर्ग कायम कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण सामने आ सकेंगे।

अकेले थे, बेटा कनाडा और पत्नी दिल्ली में बेटी के घर गई थीं

पुलिस के मुताबिक बांसखेड़ी निवासी टीवी विजयन पुत्र बी परसो (60) निजी कंपनी में नौकरी करते थे। उनका बेटा कनाडा में नौकरी करता है और बेटी दिल्ली में रहती हैं। बीते दिनों उनकी पत्नी बेटी से मिलने दिल्ली गई थी। टीवी विजयन घर में अकेले थे। सोमवार सुबह 9 बजे वह बाथरूम से नहाने के बाद विजयन बाहर आए और अचानक गिर गए। बाद में उन्हें उल्टी हुई थी। पड़ोसी उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पत्नी और बेटी दिल्ली से भोपाल के लिए रवाना हो गई थीं। उनकी मौजूदगी में ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

मेट्रो एंकर | महिला पुलिसकर्मी के सिर पर ठेकेदार ने मारा डंडा, पति से भी की मारपीट

घर के बाहर जूठन फेंकने को लेकर हुआ विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित छत्तीसगढ़ कॉलोनी में सीहोर के ठेकेदार ने महिला पुलिसकर्मी के सिर पर डंडा मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपी ने महिला के पति से भी मारपीट की।

घटना कारण महिला पुलिसकर्मी के घर के बाहर बचा हुआ भोजन फेंकने को लेकर होने वाला विवाद बताया जा रहा है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। घटना के बाद से ठेकेदार फरार है।

पुलिस के मुताबिक छत्तीसगढ़ कॉलोनी आंनद नगर निवासी रश्मि रावत पत्नी गोपाल रेड्डी (37) पुलिसकर्मी हैं और पीटीआरआई में नौकरी करती हैं। उनके पड़ोसी पीयूष दुबे घर के आसपास बचा हुआ भोजन फेंक देते थे, जिससे सुअर या कुत्ते आदि वहां जमा होने से गंदगी हो जाती थी।

लिहाजा रश्मि रावत ने उनसे कहा कि आप यहां खाना मत फेंका करो, मुझे साफ-सफाई करना पड़ती है। इसी बात को लेकर विगत 24 फरवरी की रात करीब पौने दस बजे आगे वाली कॉलोनी में रहने वाला भुल्लन ठाकुर अपने साथियों के साथ डंडा लेकर वहां आ धमका और रश्मि रावत के पति को आवाज देकर बाहर बुलाया।

उसने गोपाल रेड्डी से गाली-गलौज करते हुए कहा कि हम लोग जानवरों को खाना डालते हैं तो तुझे क्या तकलीफ होती है। तब रश्मि रावत ने कहा कि हमारा आपसे कोई लेनादेना नहीं है।

तभी भुल्लन ठाकुर ने गोपाल रेड्डी को धक्का देकर गिरा दिया और मारपीट करने लगा। रश्मि पति को बचाने का प्रयास करने लगीं। इस बीच भुल्लन ने गोपाल रेड्डी को डंडा मारा लेकिन डंडा रश्मि के सिर में लगा।

डंडा लगते ही उन्हें चक्कर आ गए और वह सिर पकड़ कर बैठ गईं। डंडा लगने से उनके सिर में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने बताया कि भुल्लन के साथ आए लोगों ने भी रश्मि के पति से मारपीट की। पुलिस ने बताया कि आरोपी और उसके साथियों के जाने के बाद फरियादिया रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंची। थाने से उन्हें इलाज के लिए जेपी

सिक्योरिटी गार्ड को मारी टक्कर, मासूम की मौत

बच्ची को स्कूल छोड़ने जाते समय हुआ हादसा, टक्कर लगने के बाद स्कूल बस में जा टकराकर रुकी 407

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर में ईशान पार्क के सामने मंगलवार सुबह करीब साढ़े 9 तेज रफ्तार 407 वाहन ने बाइक सवार सिक्योरिटी गार्ड को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर बैठी पांच साल की मासूम की मौत हो गई, जबकि पिता को चोट होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक सवार पिता-पुत्री को टक्कर मारने के बाद 407 का चालक सामने से आ रही बस से टकराकर रुक गया। यदि बस से टकराकर नहीं रुकता तो वह अन्य वाहनों को भी चपेट में ले सकता था।

हादसे के बाद राहगीरों ने 407 के चालक को वाहन ने उतारकर

पीट दिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया है।

पुलिस के अनुसार छठीलाल यादव ट्रांसपोर्ट नगर कोकता में रहते हैं और सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। उनकी पांच साल की बेटी अनुष्का यादव केजी की छात्रा था। प्रतिदिन की तरह छठीलाल अपनी सिडी डिलक्स बाइक से अनुष्का को छोड़ने स्कूल जा रहे थे।

करीब साढ़े 9 बजे के आसपास उनकी बाइक इशान पार्क और पेट्रोल पंप के सामने पहुंची ही थी कि सामने से आ रहे 407 लोडिंग वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार पिता-पुत्री सड़क पर गिर गए। हादसे के बाद राहगीरों ने पिता-पुत्री को उठाकर पास ही स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने पांच साल की अनुष्का को मृत घोषित कर दिया। पिता को चोट होने के कारण उनका इलाज चल रहा है।

बस को मारी टक्कर

हादसे के समय 407 का चालक तेज रफ्तार में था। बाइक को टक्कर मारने के बाद उसकी 407 अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बस में घुसी थी। बस निजी कॉलेज की थी और उस समय बस खाली थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022